PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-02 ● अंक- 18 ● भिलाई, सोमवार 03 अगस्त 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

पंजाब में कथित पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन, एबीवीपी ने मांगा शिक्षा मंत्री का इस्तीफा

चंडीगढ़। पंजाब में पेपर लीक के खिलाफ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) प्रदर्शन कर रही है। चंडीगढ़ में एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने भगवंत मान सरकार के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया है। इस दौरान छात्रों ने पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस के इस्तीफे की मांग और जमकर नारेबाजी भी की। प्रदर्शन के दौरान एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने शिक्षा मंत्री बैंस के आवास के बाहर धरना दिया। इस दौरान उनकी पुलिस के साथ झड़प भी हुई। पंजाब विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष गौरव वीर सिंह सोहल ने कहा, हमें पंजाब के लिए ऐसा भ्रष्ट और नाकाबिल शिक्षा मंत्री नहीं चाहिए। पंजाब के युवा एक काबिल शिक्षा मंत्री चाहते हैं। इस भ्रष्ट आदमी को आज ही इस्तीफा देना चाहिए, क्योंकि उनके कार्यकाल में 6 पेपर लीक हुए। वे अपनी जिम्मेदारी से भाग रहे हैं। युवाओं के साथ ऐसा बर्ताव हो रहा है, जैसे वे दोयम दर्जे के नागरिक हों।

तहसीन पूनावाला ने नजरबंद किए जाने का दावा किया, ई20 ईंधन के खिलाफ करने वाले थे प्रदर्शन

नईदिल्ली। राजनीतिक विश्लेषक और सामाजिक कार्यकर्ता तहसीन पूनावाला ने दावा किया है कि दिल्ली पुलिस ने उन्हें नजरबंद कर दिया है। वे आज ही ई20 ईंधन के खिलाफ भूख हड़ताल पर बैठने वाले थे। पूनावाला ने अपने घर के दरवाजे पर कई पुलिसकर्मियों की मौजूदगी को दिखाते हुए कई वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किए हैं। उन्होंने कहा, मुझे दिल्ली पुलिस ने नजरबंद कर दिया है। बिना कोई दस्तावेज या कागज दिखाए। पूनावाला ने सोशल मीडिया पर एक फोटो साझा किया है, जिसमें उनके घर के नीचे पुलिसकर्मी दिखाई दे रहा है। एक वीडियो में वे पुलिसकर्मी से बात कर रहे हैं। एक अन्य फोटो में उनके घर में महिला पुलिसकर्मी बैठी दिख रही है। उन्होंने कहा, दिल्ली पुलिस ने न सिर्फ मुझे गैरकानूनी तौर पर नजरबंद किया, बल्कि महिला पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया है, ताकि अगर मैं भागने की कोशिश करूं और धक्का-मुक्की हो, तो गंभीर आरोप लगाए जाएं।

चंद्रनाथ रथ मर्डर केस में सीबीआई को बड़ी सफलता, दो सगे भाई गिरफ्तार

कोलकाता। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को पश्चिम बंगाल के चर्चित चंद्रनाथ रथ हत्याकांड की जांच में बड़ी कामयाबी मिली है. एजेंसी ने मामले में दो सगे भाइयों साहेब सोनकर और सागर सोनकर को गिरफ्तार किया है. दोनों आरोपियों को शुक्रवार देर रात गिरफ्तार किया गया, जिसके बाद अदालत ने उन्हें 7 दिनों की सीबीआई रिमांड पर भेज दिया है. सीबीआई सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी चंद्रनाथ रथ की टीम से जुड़े हुए थे. जांच में सामने आया है कि दोनों पर हत्या की साजिश को अंजाम देने में अहम भूमिका निभाने का आरोप है.

भारत में ड्रग्स सप्लाई आतंकी साजिश का हिस्सा-प्रधानमंत्री ने लॉन्च किया नशा मुक्त अभियान

पीएम मोदी बोले-हम दुश्मन देश की प्लानिंग नाकाम करेंगे

नई दिल्ली/ एजेंसी

पीएम मोदी ने रविवार को 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' लॉन्च किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत में ड्रग्स की सप्लाई दुश्मन देशों की आतंकी साजिश का हिस्सा है। पीएम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपने संबोधन में कहा- दुश्मन देश भारतीय युवाओं को नशे के जाल में धकेलना चाहते हैं। इस साजिश को हमें मिलकर नाकाम करना होगा। विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब देश का युवा शारीरिक और मानसिक रूप से फिट होने के साथ नशे से भी दूर रहेगा। पीएम ने अपने सम्बोधन में बताया कि अगले 100 सप्ताह तक हर रविवार कला, संस्कृति, खेल और अन्य गतिविधियों के जरिए नशा मुक्ति का संदेश देशभर में पहुंचाया जाएगा। पीएम ने युवाओं से इस अभियान का नेतृत्व करने और 2047 तक विकसित भारत बनाने में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' सुबह 11 बजे से शुरू हुआ। प्रधानमंत्री के संबोधन से पहले देशभर के युवाओं ने एक साथ 'नशा मुक्त भारत' की शपथ ली। यह कार्यक्रम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देशभर के 28 हजार से ज्यादा स्थानों पर एक साथ आयोजित किया गया। अभियान में 1 करोड़ से ज्यादा युवा शामिल हुए। कार्यक्रम में 5 प्रमुख आध्यात्मिक गुरु- अम्मा, श्री श्री रविशंकर, दाजी, डॉ. चिन्मय पंड्या और स्वामी ब्रह्मविहारीजी भी वर्चुअली जुड़े। इसके अलावा कई मुख्यमंत्री और

राज्यपाल भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। पीएम मोदी ने कहा कि नशा युवाओं का फोकस भटकाकर उन्हें धीरे-धीरे उनके सपनों से दूर ले जाता है। आज भारत के युवा स्टार्टअप, ब्लू और स्पेस जैसे क्षेत्रों में दुनिया का नेतृत्व कर रहे हैं, लेकिन अगर कोई युवा ड्रग्स की गिरफ्त में आ जाए तो सिर्फ उसका सपना ही नहीं, पूरा परिवार हार जाता है। नशा एक पिता के सपनों और बहन की उम्मीदों को भी तोड़ देता है। पीएम ने कहा, नशा केवल व्यक्ति को नहीं, बल्कि राष्ट्र की ताकत को भी कमजोर करता है। दुश्मन देश भारतीय युवाओं को ड्रग्स के जाल में फंसाने की साजिश रचते हैं। सरकार नशे के कारोबारियों और तस्करों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। ड्रग्स कुछ समय के लिए हाई देता है, लेकिन करियर और फैमिली लाइफ को बर्बाद कर देता है। हमारे संतों और गुरुओं ने भी नशे से दूर रहने की सीख दी है। श्री गुरु ग्रंथ साहिब का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जो नशा इंसान की बुद्धि और विवेक छीन ले, वह उसे पतन की ओर ले जाता है। हालांकि, पीएम ने कहा कि नशे की लत से लड़कर बाहर निकलने वाले असली योद्धा हैं। किसी व्यक्ति का अतीत उसकी पहचान नहीं होता, बल्कि मुश्किलों से बाहर निकलने का उसका साहस उसकी असली पहचान होता है। देश में नशे के कारोबारियों और तस्करों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है।

केंद्रीय मंत्री मंडाविया युवाओं से किया आह्वान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान शुरू किए जाने पर केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा,जब देश 'आजादी का अमृत महोत्सव' मना रहा था, तब आपने 'विकसित भारत' का विजन रखा और देश के 140 करोड़ नागरिकों को इस सपने को पूरा करने में भागीदार माना। किसी देश के समृद्ध होने के लिए उसके नागरिकों का स्वस्थ होना जरूरी है; स्वस्थ नागरिक ही स्वस्थ समाज बनाते हैं और स्वस्थ समाज ही समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करता है। इसीलिए आपने ऐसे स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए देश के युवाओं को सशक्त बनाने का आह्वान किया है। 15 अगस्त 2020 को आपने देश को नशा-मुक्त बनाने का संकल्प लिया था। इस घोषणा में उन कार्यक्रमों और आगे की राह की रूपरेखा बताई गई थी जिनसे देश को नशा-मुक्त भारत में बदला जा सके।

आज होगी सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

टीएमसी के फ्रीज बैंक खातों से हटेगा ताला?

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को तृणमूल कांग्रेस और उसकी राज्यसभा सदस्य डोला सेन की उस याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें मनी लॉन्ड्रिंग की कथित जांच के सिलसिले में पार्टी के तीन बैंक खातों को फ्रीज करने के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के फैसले को चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड की गई कॉज-लिस्ट के अनुसार, स्पेशल लीव पिटिशन को जस्टिस एमएम सुंदेश और जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले की बेंच के सामने लिस्ट किया गया है। यह याचिका कलकत्ता हाई कोर्ट के 20 जुलाई के उस आदेश को चुनौती देती है जिसमें ईडी के उस फ्रीजिंग आदेश के खिलाफ अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया गया था, जो प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट की धारा 17(1-ए) के तहत जारी किया गया था। यह विवाद तृणमूल कांग्रेस के तीन एचडीएफसी बैंक खातों से जुड़ा है।

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू ज़िले में भारी बारिश के बाद ओल्ड मनाली में क्लब हाउस के पास एक गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

फारूक अब्दुल्ला ने सरकार से मांगा जवाब

बॉर्डर कंट्रोल में है तो... कहां से आ रहे आतंकी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमलों पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला की प्रतिक्रिया सामने आई। उन्होंने सरकार पर निशाना साधा है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि हाल ही में एक पुलिस कांस्टेबल को गोली मारी गई और दो प्रवासी श्रमिकों को भी गोली मारी गई। मैं पूछना चाहता हूं, इन हत्याओं के लिए कौन जिम्मेदार है? सरकार से सवाल करते हुए उन्होंने कहा कि आप कहते हैं कि आतंकवाद खत्म हो गया है, लेकिन अगर यह खत्म हो गया है तो ये लोग कौन हैं जो ऐसे हमले कर रहे हैं? अगर पूरा बॉर्डर कंट्रोल में है तो ये हमलावर कहां से आ रहे हैं? फारूक अब्दुल्ला ने आगे कहा कि 2019 के बाद, हमें बताया गया था कि हालात बदल जाएंगे, लेकिन क्या आतंकवाद सच में खत्म हो गया है? हम सिर्फ अपने हक और इज्जत वापस पाने की मांग कर रहे हैं।

मोसाद और सीआईए का बढ़ा सिरदर्द

कहां छिपे हैं मोजतबा खामेनेई अबतक नहीं मिला कोई सुराग

नई दिल्ली। एजेंसी

ईरान में सत्ता के शीर्ष पर बैठे नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई को लेकर रहस्य गहराता जा रहा है। बीती 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इजरायल द्वारा किए गए भीषण हवाई हमले में पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई की मौत के बाद से ही मोजतबा सार्वजनिक जीवन से पूरी तरह गायब हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले करीब 150 दिनों से उनका कोई सुराग नहीं मिला है, जिसके बाद उनके जीवित होने पर भी सवाल उठने लगे हैं। द टाइम्स ऑफ लंदन की एक रिपोर्ट का

हवाला देते हुए इजरायली मीडिया ने दावा किया है कि मोजतबा खामेनेई पिछले पांच महीनों से किसी भी डिजिटल उपकरण का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। उन्होंने फोन, लैपटॉप, रेडियो या ऐसी किसी भी तकनीक से दूरी बना ली है जो डिजिटल सिग्नल उत्सर्जित करती हो। माना जा रहा है कि अमेरिकी और इजरायली खुफिया एजेंसियां सीआईए और मोसाद उनकी लोकेशन ट्रेस करने के लिए दिन-रात एक कर रही हैं, लेकिन मोजतबा ने खुद को पूरी तरह ऑफ-ग्रिड कर लिया है। खुफिया सूत्रों के मुताबिक, जिस एयरस्ट्राइक में उनके पिता की जान गई थी, उसमें मोजतबा भी गंभीर रूप से घायल हुए थे। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि उस हमले में उनका चेहरा बुरी तरह खराब हो गया है। उन्हें डर है कि यदि वे बाहर निकलते हैं तो अमेरिकी जासूसी सैटेलाइट्स की आधुनिक फेशियल रिकग्निशन तकनीक उन्हें तुरंत पहचान लेगी।

रास्ते में खत्म हो गई एंबुलेंस की ऑक्सीजन, मां की गोद में 21 वर्षीय बेटे की मौत

मंडला। देश में स्वास्थ्य सुविधाओं के बड़े-बड़े दावों की पोल खोलती एक बेहद दर्दनाक और झकझोर देने वाली घटना मध्य प्रदेश से सामने आई है। कोई भी राज्य या सरकार यह कभी नहीं चाहेगी कि उसकी पहचान ऐसी स्वास्थ्य व्यवस्था से हो, जहां एक बेबस मरीज दम तोड़ दे। लेकिन मंडला जिले में ऐसा ही हुआ है। यहां एक 21 साल के जवान बेटे ने एंबुलेंस में ऑक्सीजन खत्म हो जाने के कारण अपनी ही मां की गोद में तड़प-तड़प कर दम तोड़ दिया। इस घटना ने पूरे प्रशासनिक अमले और एंबुलेंस सेवाओं की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह रूह कंपा देने वाला मामला 27 जुलाई का है।

नाराजगी भरे बयान के क्या है मायने

अब राजनीति से रिटायर होने का मन करता है-पंकजा मुंडे

नई दिल्ली/ एजेंसी

भाजपा नेता और महाराष्ट्र की मंत्री पंकजा मुंडे के एक बयान से राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। पंकजा मुंडे ने कहा कि मुझे राजनीति से रिटायर होने का मन करता है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जनता और कार्यकर्ताओं का उत्साह देखकर उन्हें फिर से काम करने की नई ऊर्जा मिलती है। परली महामार्ग की खराब स्थिति पर बोलते हुए पंकजा मुंडे भावुक हो गईं। उन्होंने कहा कि सड़क की हालत देखकर वह काफी परेशान हुईं और सफर के दौरान उन्होंने अपने निजी सहायक

से कहा कि अब थक गई हूं, राजनीति से रिटायर होने का मन करता है। लेकिन सभा स्थल पर पहुंचने के बाद लोगों और कार्यकर्ताओं का उत्साह देखकर उन्हें फिर से काम करने की प्रेरणा मिली। यह लाल बत्ती वाली गाड़ी मेरे लिए नहीं, बल्कि आपके विकास के लिए है। इस दौरान पंकजा मुंडे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यशैली की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने भाजपा की कोर कमेटी की बैठक से जुड़ा एक अनुभव साझा किया, जो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। पंकजा मुंडे के अनुसार, वह दिल्ली में भाजपा की कोर कमेटी की बैठक के लिए दो-तीन दिन मौजूद थीं। बैठक के अंतिम दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने लंबे और आधिकारिक अमेरिका दौरे से सीधे बैठक स्थल पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि इतने लंबे सफर के बाद भी प्रधानमंत्री के चेहरे पर थकान नजर नहीं आ रही थी।

केरल के 12 जिलों में बारिश का तांडव

आठ लोगों की मौत-बांध खोले गए, प्रशासन अलर्ट

नई दिल्ली/ एजेंसी

केरल में मॉनसून की भीषण बारिश ने एक बार फिर जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन ने भारी तबाही मचाई है। ताजा रिपोर्टों के अनुसार, बारिश से संबंधित विभिन्न आपदाओं में अब तक 8 लोगों की दुखद मृत्यु हो चुकी है और कई अन्य लापता हैं। प्रशासन और राहत दल युद्ध स्तर पर बचाव कार्य में जुटे हुए हैं, लेकिन मौसम विभाग की चेतावनियों ने चिंता और बढ़ा दी है। केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशान (स्रोत के अनुसार) ने रविवार को राज्य की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए पुष्टि की कि बारिश और बाढ़ की चपेट में आने से अब तक 8 लोगों की जान जा चुकी है। इसके अतिरिक्त, 13 लोग घायल हुए हैं और 8 लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी दी कि वे लगातार राजस्व मंत्री और जिला प्रशासनों के संपर्क में हैं ताकि आपदा प्रभावितों तक जल्द से जल्द मदद पहुँचाई जा सके। बाढ़ का पानी घरों में घुसने और भूस्खलन के खतरे को देखते हुए प्रशासन ने बड़े पैमाने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया है। आंकड़ों के अनुसार, अब तक 5,792 लोगों को 209 राहत शिविरों में स्थानांतरित किया गया है। बारिश का तांडव इतना भयानक था कि 27 घर पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं, जबकि 196 घरों को आंशिक रूप से

नुकसान पहुँचा है। सरकार ने उन परिवारों को वित्तीय सहायता देने का भरोसा दिया है जिन्होंने अपने प्रियजनों, घरों या अपनी आजीविका को खो दिया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने केरल के 12 जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। इन जिलों में पथानामथिट्टा, कोट्टायम, इडुक्की, एर्नाकुलम, त्रिशूर, पलक्कड़, मलप्पुरम, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड शामिल हैं। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि इन क्षेत्रों में अचानक बाढ़ भूस्खलन और सड़कों पर जलजमाव की प्रबल संभावना है। हालांकि कुछ इलाकों में बारिश की तीव्रता कम हुई है, लेकिन पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को विशेष रूप से सतर्क रहने की सलाह दी गई है। लगातार हो रही बारिश के कारण राज्य के जलाशयों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। केरल राज्य विद्युत बोर्ड के नियंत्रण वाले कई बांधों के लिए चेतावनी जारी की गई है। मूझियार, कल्लारकुट्टी, एराट्टयार, लोअर पेरियार और पेरिंगलकुत्तु बांधों के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया गया है, जबकि कुट्टयाडी बांध 'ऑरेंज अलर्ट' पर है। बांधों के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि जिन क्षेत्रों में पानी कम हुआ है।

शिवमोग्गा में भूस्खलन से 3 साल के बच्चे समेत एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत

कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले के तीर्थहल्ली तालुक में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में एक अस्थायी झोपड़ी मलबे में दब गई, जिससे एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई, जिनमें तीन साल का एक बच्चा भी शामिल है। यह हादसा रविवार तड़के हुआ। जानकारी के अनुसार यह घटना रविवार तड़के करीब 2:30 बजे तीर्थहल्ली के इंदिरा नगर में हुई। मलनाड क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के चलते पहाड़ी का एक हिस्सा ढह गया। भूस्खलन के कारण भारी मात्रा में मिट्टी और चट्टानें उस झोपड़ी पर आ गिरीं, जहां मजदूरी करके लौटे परिवार के सदस्य सो रहे थे। मृतकों की पहचान मल्लिकार्जुन (30), नागवेणी (27) और उनके तीन वर्षीय बेटे संतोष के रूप में हुई है।

नगर पंचायतों को विकास और जनसेवा का सशक्त केंद्र बनाने की दिशा में प्रदेश सरकार निरंतर कार्य कर रही है : दीपेश साहू

बेमेतरा। बेमेतरा विधानसभा नगर पंचायत बेरला में नवनियुक्त एल्डरमैन (मनोनित पार्षदों) के शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम रखा गया था जिसमे बेमेतरा विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में नवनियुक्त एल्डरमैनों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण की। विधायक ने सभी नवनियुक्त एल्डरमैनों को बधाई देते हुए कहा कि नगर पंचायतों को विकास और जनसेवा का सशक्त केंद्र बनाने की दिशा में प्रदेश सरकार निरंतर कार्य कर रही है और स्थानीय निकायों की सक्रिय भूमिका से विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। समारोह में सूर्यकांत साहू, कन्हैया सेन एवं प्रतिमा राजपूत ने एल्डरमैन पद की शपथ ग्रहण की। विधायक दीपेश साहू ने तीनों का स्वागत कर उन्हें शुभकामनाएँ दीं और कहा कि यह दायित्व केवल एक पद नहीं, बल्कि जनता की अपेक्षाओं और विश्वास का प्रतिनिधित्व करने की जिम्मेदारी है।

जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना सबसे बड़ी जिम्मेदारी

अपने संबोधन में विधायक साहू ने कहा कि नगर पंचायत लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण इकाई है, जहां लिए गए निर्णय सीधे आम नागरिकों के जीवन को प्रभावित करते हैं। इसलिए एल्डरमैनों की भूमिका नगर के विकास, जनसमस्याओं के समाधान, सामाजिक समरसता और सुशासन को मजबूत करने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि का दायित्व केवल विकास कार्यों की अनुशंसा करना नहीं, बल्कि जनता के साथ सतत संवाद बनाए रखते हुए उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना भी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार पारदर्शी, जवाबदेह और जनकल्याणकारी शासन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कार्य कर रही है। राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में नगर पंचायतों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नवनियुक्त एल्डरमैन पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करते हुए नगर के सर्वांगीण विकास में उल्लेखनीय योगदान देंगे।

बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और नागरिक रहे उपस्थित

कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष विशाल राज देशलहरा, उपाध्यक्ष संतोष साहू, विधायक प्रतिनिधि अमृत महेश्वरी, सभापति शिव झड़ी सिन्हा, बलराम यादव, मधु द्विवेदी, बलराम सिवारे, अर्जुन देवांगन, मथुरा बाई, जितेंद्र जैन, पार्षद उमा नेम, भुवनेश्वरी टंडन, जयप्रकाश बघेल, मानक चतुर्वेदी, अंजनि पाटिल, राजेश दुबे, लक्ष्मी लता वर्मा सहित नगर पंचायत के समस्त अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधिगण तथा बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन नवनियुक्त एल्डरमैनों के सम्मान और नगर के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ हुआ।

नगर विकास के लिए मिलकर करना होगा कार्य

विधायक साहू ने कहा कि नगर का विकास केवल सड़क, नाली, पेयजल और प्रकाश व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और युवाओं के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराना भी समान रूप से आवश्यक है। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे दलगत भावना से ऊपर उठकर नगर हित को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और प्रत्येक वार्ड तथा प्रत्येक नागरिक तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए समन्वय और सहयोग की भावना से कार्य करें। उन्होंने कहा कि बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए वे लगातार प्रयासरत हैं और नगर पंचायत क्षेत्र में आवश्यक विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि नगर पंचायत के जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर विकास कार्यों को गति देने में हरसंभव सहयोग किया जाएगा।

गायत्री शक्तिपीठ दल्ली राजहरा में गुरु पूर्णिमा बड़े धूमधाम से मनाया गया

दल्लीराजहरा। गायत्री शक्तिपीठ दल्ली राजहरा में गुरु पूर्णिमा धूमधाम से मनाया गया। विश्व गायत्री शक्तिपीठ हरिद्वार के निर्देशानुसार दल्लीराजहरा गायत्री शक्तिपीठ के द्वारा विश्व शांति मनुष्य में देवत्व का उदय मनुष्य में देवत्व का उदय और धरती में स्वर्ग का अवतरण के कार्यक्रम के अनुसार विश्व में सदभावना बनी रहे, इसी कामना के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पौराणिक कथाओं के अनुसार आज के दिन महान व्यक्तित्व ब्रह्म सूत्र महाभारत, श्रीमद् भागवत और 18 पुराण जैसे अदभुत साहित्य की रचना करने वाले महर्षि वेदव्यास का जन्म आषाढ़ पूर्णिमा को हुआ था। उन्हीं के जन्मोत्सव को गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। यह दिन अपने गुरुओं के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने के लिए मनाया जाता है जो ज्ञान और मार्गदर्शन प्रदानकर किसी के जीवन को सदभाव में परिवर्तित कर दे। पौराणिक समय से ही भारत में गुरु शिष्य की परंपरा रही है द्य जहां मानव जीवन में पांच गुरुओं को विशेष महत्व दिया गया है। जिसमें प्रथम गुरु मां जिसने हमें जन्म दिया, द्वितीय गुरु धरती मां जिस पर पले बड़े, तृतीय गुरु पिता जिसकी उंगली थामी,चतुर्थ गुरु शिक्षक जिसने ज्ञान मिला और पंचम गुरु आध्यात्मिक जिसकी कृपा मिली। कहा जाता है कि पांच गुरुओं के आशीर्वाद से व्यक्ति का जीवन सार्थक होता है। गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ दल्ली राजहरा में पांच कुंडली गायत्री महायज्ञ संपन्न हुआ। साथ ही पांच ःदीक्षा संस्कार एवं तीन विद्या आरम्भ संस्कार हुए। दीक्षा संस्कार में सोनाली ग्वाल कारु टोला, वैशाली ग्वाल, राम दुलार डडसेना, प्रभा सोनी झलमला और तुलाबाई डड़सेना तथा विद्या आरम्भ संस्कार में लावण्य साहू आवास देवांगन और आराध्य देवांगन गायत्री परिवार के द्वारा गुरुदेव श्रीराम शर्मा और मां भगवती देवी को नमन किया गया। गायत्री शक्तिपीठ भारतीय संस्कृति का पर्याय एक ऐसा संस्कारशाला है जहां छोटे बच्चे से लेकर मृत्यु तक पूरे संस्कार किए जाते हैं। पांच कुंडली यज्ञ में एक बात देखने को मिली की परिजन अपने भारतीय संस्कृति का परिचय कराने के लिए छोटे-छोटे बच्चों को भी इस यज्ञ में सम्मिलित करने के लिए लेकर आए थे। मां गायत्री के मंदिर निर्माण के लिए सहयोग राशि की भी स्वेच्छा से घोषणा की गई द्य जहां उपस्थित जनों के द्वारा मंदिर निर्माण स्वरूप राशि देने का संकल्प लिया गया। संपूर्ण संस्कार देव प्रसाद आर्य एवं रेणुका गंजीर सावित्री सोनी, नंदकिशोर पिस्दा रानू ठाकुर, माहेश्वर राणा के द्वारा सम्पन्न किया गया। इस अवसर पर गायत्री परिवार के समस्त सदस्य तथा राजहरावासी उपस्थित थे, जिनमें हीरालाल पवार व्यवस्थापक, हुलास कुमार देवांगन मुख्य ट्रस्टी, विजेंद्र विश्वकर्मा, नंदकिशोर पिस्दा ब्लॉक समन्वयक, राजेंद्र कुमार ठाकुर, सोनसाय लटियारे, धर्मपाल नायक, डोमन यादव संतोष कुमार कोराटिया, अर्चना देशमुख, रेणुका गंजीर, चंचलानी, नामदेव यादव, सुरेश देवांगन, चंपा साहू, हेमलता यादव, वीणा साहू।

गुरु पूर्णिमा पर पर्यावरण प्रेमियों द्वारा पौधारोपण

बेमेतरा। पर्यावरण प्रेमी संगठन, बेमेतरा एक पेड़ माँ के नाम गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर कबीर आश्रम एवं कोर्रा तालाब कठिया में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। जिसमें फलदार छायादार 12 पौधा लगाया गया कार्यक्रम में अतिथियों, संगठन के सदस्यों एवं स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए पौधारोपण किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। स्वच्छ वातावरण, शुद्ध वायु और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाना और उनकी देखभाल करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। पर्यावरण प्रेमी संगठन ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने जीवन के प्रत्येक शुभ अवसर पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएँ तथा उसकी नियमित देखभाल करें। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण एवं हरित बेमेतरा के निर्माण का संकल्प लिया। पर्यावरण प्रेमी संगठन,जिसमें उपस्थित रहे प्रदेश अध्यक्ष गणेश कुमार साहू, प्रदेश सचिव कृष्ण कुमार साहू,मयंक देवांगन,लल्लु कुरैशी, मोहम्मद नावेद, पाला साहू।

कलेक्टर ने ली स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों की बैठक

बेहतर कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारी का किया जाएगा सम्मान

बालोद। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में कहा कि शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बालोद विकासखंड के स्वास्थ्य विभाग के समस्त अधिकारी-कर्मचारियों को पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के निर्देश दिए हैं। संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान कलेक्टर ने मैदानी स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं की मैपिंग कर आम नागरिकों को बेहतर से बेहतर लाभ मुहैया कराने पर जोर दिया। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.एल. उइके सहित स्वास्थ्य के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने बालोद विकासखंड अंतर्गत संचालित विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों, प्राथमिक, सामुदायिक एवं उप स्वास्थ्य केंद्रों की कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने संस्थागत प्रसव के अलावा टीकाकरण अभियान, टीबी उन्मूलन कार्यक्रम, और कुष्ठ रोग नियंत्रण के कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्रवार संस्थागत प्रसव की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में शत प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दिए।

हर एक मरीज को बेहतर से बेहतर उपचार सुनिश्चित किया जाना अत्यंत आवश्यक

इस दौरान उन्होंने 14 वर्ष की आयु पूरी कर चुकी सभी बालिकाओं का सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु शत-प्रतिशत टीकाकरण अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिसके अंतर्गत शिक्षक-पालक समिति की बैठकों में स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए पालकों को जागरूक करने को कहा गया। साथ ही स्वास्थ्य केंद्रों में आने वाले मरीजों एवं आम नागरिकों के लिए ब्लड प्रेशर, शुगर, मानसिक स्वास्थ्य और अन्य बीमारियों की नियमित स्क्रीनिंग व जांच की व्यवस्था रखने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि बिना किसी ठोस और वाजिब चिकित्सीय कारण के मरीजों को अन्य बड़े अस्पतालों के लिए बिल्कुल भी रेफर न किया जाए। उन्होंने कहा कि चिकित्सा से जुड़े कर्मचारी सीधे तौर पर आम जनजीवन से जुड़ा होने के कारण अत्यंत सम्मानीय एवं आदर्श है, इसलिए हर एक मरीज को बेहतर से बेहतर उपचार सुनिश्चित किया जाना अत्यंत आवश्यक है। कलेक्टर ने कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को स्वास्थ्य विभाग के प्रत्येक समीक्षा बैठक के अलावा 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय बालोद में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा।

सिंगल यूज प्लास्टिक के पूर्ण प्रतिबंध पर चलाया गया जागरूकता अभियान

दल्लीराजहरा। नगर पालिका दल्ली राजहरा में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियमों तथा सिंगल यूज़ प्लास्टिक प्रतिबंध के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल देते हुए नियमों को कड़ाई से पालन कराए जाने हेतु डोर टू डोर जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। विदित हो कि न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि स्वच्छ एवं प्रदूषण-मुक्त पर्यावरण प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है और प्लास्टिक प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए प्रतिबंधित सिंगल यूज़ प्लास्टिक के निर्माण, भंडारण, परिवहन, विक्रय एवं उपयोग के विरुद्ध सख्त कार्रवाई आवश्यक है साथ ही, नगर निकायों को जनजागरूकता, नियमित निरीक्षण तथा प्लास्टिक अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन को प्राथमिकता देने पर भी जोर दिया गया है, जिस हेतु नगर पालिका दल्ली राजहरा द्वारा सिंगल यूज़ प्लास्टिक को ना कहते हुए अन्य विकल्प जैसे कपड़े या जूट से बने थैले, स्टील या कांच के बने बोतलों के साथ ही अन्य प्राकृतिक विकल्पों का उपयोग करने हेतु अपील की गई। इसी कड़ी में नगर पालिका दल्ली राजहरा द्वारा गठित टीम के द्वारा जनजागरूकता अभियान के साथ ही 23 दुकानदारों से 2300 चालान की कार्यवाही की गई।
जिसमें नोडल अधिकारी रामगोपाल चंद्राकर, दल प्रभारी बुद्धिमान सिंह, जिला समन्वयक विक्रांत कुमार साहू, सहायक कर्मचारी धरमू बक्शी, अनंत साहू, चिरंजीव साहू, मो. अकबर, एवं निकाय के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

नए पुलिस अधीक्षक किरण गंगाराम चौहान के पदभार ग्रहण करते ही कानून व्यवस्था को लेकर उठाए जा रहे हैं महत्वपूर्ण कदम

दल्लीराजहरा। बालोद जिले में नए पुलिस अधीक्षक किरण गंगाराम चौहान के पदभार ग्रहण करते ही जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। पदभार संभालते ही एसपी के निर्देश पर जिले भर में विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत अवैध शराब, जुआ, सट्टा एवं अन्य अवैध गतिविधियों के विरुद्ध सघन चेकिंग और कार्यवाही की गई। इस त्वरित और प्रभावी कार्यवाही को लेकर क्षेत्र के नागरिकों में हर्ष का माहौल है। क्षेत्र के निवासियों ने लंबे समय से अवैध कारोबारों पर रोक लगाने की मांग की थी। नए एसपी ने जनता की इस मांग को प्राथमिकता से लेते हुए तुरंत निर्देश जारी किए, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं।
इस संबंध में वार्ड क्रमांक 4 के पार्षद एवं पीआईसी मेंबर संजय सिंह ने कहा कि नए एसपी के आते ही पुलिस प्रशासन ने जिस तत्परता और गंभीरता से अवैध कारोबारों के खिलाफ अभियान शुरू किया है वह अत्यंत सराहनीय है। दल्लीराजहरा औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण यहां अवैध शराब और सट्टे जैसी गतिविधियों से युवा पीढ़ी प्रभावित हो रहा था। पुलिस की इस कार्यवाही से निश्चित रूप से क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और भाईचारे का माहौल बनेगा। स्थानीय नागरिकों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों ने भी पुलिस प्रशासन और एसपी के इस प्रयास की सराहना की है। लोगों का कहना है कि इस प्रकार की निरंतर कार्यवाही से न केवल अपराधों पर अंकुश लगेगा बल्कि आम जनता का पुलिस प्रशासन पर विश्वास भी बढ़ेगा। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध गतिविधियों में लिप्त किसी भी व्यक्ति को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। अभियान को आगे भी निरंतर जारी रखा जाएगा और मुखबिर तंत्र को और अधिक मजबूत किया जाएगा ताकि अवैध कारोबार की सूचना तुरंत मिल सके।

अमरकंटक में कांवड़ियों की सेवा को समर्पित पहल उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अन्नकूट रथ किया रवाना

कवर्धा। सावन मास की पावन बेला में श्रद्धा, सेवा और जनआस्था का अनूठा संगम देखने को मिला, जब उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अमरकंटक स्थित मृत्युंजय आश्रम में कांवड़ यात्रियों के लिए संचालित होने वाले निःशुल्क भंडारे हेतु भोजन सामग्री से भरे अन्नकूट रथ को विधिवत पूजा-अर्चना के बाद रवाना किया। इस दौरान पूरा वातावरण हर-हर नर्मदे और बोल बम के जयघोष से भक्तिमय हो उठा। विधायक कार्यालय परिसर से रवाना हुए अन्नकूट रथ में दाल, चावल, आटा, सब्जियां सहित भंडारे की आवश्यक सामग्री भेजी गई। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, पुलिस जवाबदेही प्राधिकरण के सदस्य भगत पटेल, नरेंद्र मानिकपुरी, रवि राजपूत, खिलेश्वर साहू, प्रवीण परिहार, जनप्रतिनिधि, पार्षद एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा की पहल पर सावन भर अमरकंटक के मृत्युंजय आश्रम में आने वाले कांवड़ यात्रियों और श्रद्धालुओं के लिए प्रतिदिन निःशुल्क भोजन एवं ठहरने की व्यवस्था की जाएगी। भंडारे में श्रद्धालुओं को दाल-भात, सब्जी, पूरी, खीर, हलवा सहित पौष्टिक एवं स्वादिष्ट भोजन श्रद्धापूर्वक परोसा जाएगा।
सेवा का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि लंबी पदयात्रा करने वाले श्रद्धालुओं को विश्राम, भोजन और आत्मीयता का अनुभव एक ही स्थान पर मिले। पिछले वर्ष इस भंडारे का लाभ हजारों कांवड़ यात्रियों ने लिया था। श्रद्धालुओं के उत्साह और बढ़ती संख्या को देखते हुए इस वर्ष सेवा का दायरा और अधिक विस्तृत किया गया है। आयोजन से जुड़े स्वयंसेवक पूरी निष्ठा के साथ सेवा कार्य में जुटे रहेंगे, जिससे हर श्रद्धालु को सहज और सम्मानजनक व्यवस्था मिल सके। उल्लेखनीय है कि सावन मास में लाखों श्रद्धालु अमरकंटक से पवित्र नर्मदा जल लेकर पदयात्रा करते हुए कबीरधाम जिले के विश्व प्रसिद्ध भोरमदेव मंदिर और बुढ़ा महादेव मंदिर में जलाभिषेक करने पहुंचते हैं। ऐसे में मृत्युंजय आश्रम में संचालित यह निःशुल्क भंडारा केवल भोजन की व्यवस्था नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की सेवा, समर्पण और अतिथि सत्कार की जीवंत परंपरा का प्रतीक बन गया है।

अमरकंटक में सदगुरु कबीर चबूतरा पर एक माह का विशाल भोजन भंडारा शुरू

कवर्धा। आषाढ़ गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर पवित्र तीर्थस्थल सदगुरु कबीर चबूतरा, अमरकंटक में एक माह तक चलने वाले विशाल निःशुल्क भोजन भंडारे का शुभारंभ श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ किया गया। सदगुरु कबीर धर्मदास वंशावली मिशन, जिला कबीरधाम (छत्तीसगढ़) द्वारा आयोजित इस सेवा अभियान का उद्देश्य अमरकंटक आने वाले श्रद्धालुओं, संत-महात्माओं एवं भक्तजनों को निःशुल्क भोजन प्रसाद उपलब्ध कराना और मानव सेवा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। सदगुरु कबीर साहेब, धनी धर्मदास साहेब पंथ, हुजूर प्रकाशमुनिनाम साहेब पंथ एवं हुजूर उदितमुनिनाम साहेब की असीम कृपा और आशीर्वाद से प्रारंभ हुआ यह भंडारा 29 जुलाई से 27 अगस्त तक प्रतिदिन सुबह 10 बजे से रात्रि 10 बजे तक संचालित किया जाएगा। इस अवधि में अमरकंटक पहुंचने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए सात्विक भोजन प्रसाद की निःशुल्क व्यवस्था की गई है। मिशन से जुड़े पदाधिकारियों ने बताया कि गुरु पूर्णिमा केवल गुरु वंदना का पर्व नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण, करुणा और मानव कल्याण की भावना को जीवन में उतारने का अवसर भी है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए विशाल भोजन भंडारे का आयोजन किया गया है, ताकि दूर-दराज़ से आने वाले श्रद्धालुओं को भोजन की चिंता न करनी पड़े और वे पूरी श्रद्धा एवं शांति के साथ दर्शन-पूजन कर सकें। मिशन का मूल संदेश मानव-मानव सब एक हैं, यही सच्चा ज्ञान। मानवता का संचार करे एसकेडीवी मिशन अभियान। सेवा कार्य के माध्यम से साकार होता दिखाई दे रहा है। आयोजन स्थल पर आने वाले श्रद्धालुओं का आतीय स्वागत किया जा रहा है तथा स्वच्छ, सात्विक और व्यवस्थित वातावरण में भोजन प्रसाद उपलब्ध कराया जा रहा है। बड़ी संख्या में सेवादार पूरे समर्पण भाव से भोजन व्यवस्था, प्रसाद वितरण और श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे हुए हैं। आयोजकों का कहना है कि अमरकंटक देश के प्रमुख धार्मिक तीर्थों में से एक है, जहां सावन और गुरु पूर्णिमा के अवसर पर हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे समय में निःशुल्क भोजन सेवा न केवल यात्रियों के लिए राहत का माध्यम बनती है, बल्कि भारतीय संस्कृति की सेवा और परोपकार की परंपरा को भी मजबूत करती है। सदगुरु कबीर धर्मदास वंशावली मिशन एवं एसकेडीवी मिशन, जिला कबीरधाम ने सभी श्रद्धालुओं, संत-महात्माओं और भक्तजनों से अपील की है कि वे अमरकंटक स्थित सदगुरु कबीर चबूतरा पहुंचकर गुरु कृपा का आशीर्वाद प्राप्त करें, भोजन प्रसाद ग्रहण करें और मानव सेवा तथा सदभाव के इस पुनीत अभियान का हिस्सा बनें। मिशन का विश्वास है कि सेवा, समर्पण और समानता की भावना ही समाज को जोड़ने और मानवता को सशक्त बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम है।

शासकीय आत्मानंद स्कूल में संकल्पित हुए विद्यार्थी सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध निकाय की मुहिम

डोंगरगांव नगर। पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद डोंगरगांव द्वारा स्थानीय शासकीय आत्मानंद स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने सिंगल यूज प्लास्टिक उपयोग नहीं करने एवं स्वच्छता बनाए रखने हेतु शपथ ली। स्कूल परिसर में आहुत संक्षिप्त कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी के द्वारा विद्यार्थियों को प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों की विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को दैनिक जीवन में प्लास्टिक के स्थान पर उपयोग किए जा सकने वाले अन्य विकल्पों के बारे में भी विस्तारपूर्वक बताते हुए स्वच्छता अपनाने की अपील की गई। मुख्य नगर पालिका अधिकारी विनम्र जेमा ने प्लास्टिक के उपयोग से पर्यावरण, जीव-जंतुओं एवं मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कपड़े का थैला, जूट बैग, स्टील व कांच की बोतल जैसे विकल्प अपनाने पर जोर दिया। उक्त अवसर पर आत्मानंद अंग्रेजी मीडियम स्कूल के प्राचार्य बीएल देवांगन, व्याख्याता डीके कोठरी, आत्मानंद स्कूल के समस्त शिक्षकगण एवं नगर पालिका के कर्मचारीगण सहित समस्त विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

भाजयुमो का सदस्यता अभियान तेज : 7 दिनों में 18 हजार से अधिक युवा जुड़े, 20 सितंबर तक चलेगा अभियान

रायपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) का प्रदेशव्यापी सदस्यता अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है। भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा ने प्रेसवार्ता में बताया कि सदस्यता अभियान 20 सितंबर तक चलेगा, जिसमें प्रदेश के युवा निःशुल्क और डिजिटल माध्यम से संगठन की सदस्यता ले सकेंगे। राहुल टिकरिहा ने बताया कि करीब आठ वर्षों बाद सदस्यता अभियान शुरू किया गया है और युवाओं का उत्साह लगातार बढ़ रहा है। अभियान के पहले सात दिनों में 18 हजार से अधिक युवा संगठन से जुड़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से बस्तर क्षेत्र में युवाओं ने बड़ी संख्या में भाजयुमो की सदस्यता ली है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत प्रदेशभर में डेढ़ लाख से दो लाख युवाओं को संगठन से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। टिकरिहा ने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व और राज्य सरकार के सुशासन के प्रयासों से नक्सलवाद पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ है। इसी कारण सदस्यता अभियान की शुरुआत दंतेवाड़ा से की गई और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई। उन्होंने बताया कि इस बार सदस्यता प्रक्रिया को पूरी तरह निःशुल्क और डिजिटल बनाया गया है, ताकि अधिक से अधिक युवा आसानी से संगठन से जुड़ सकें। साथ ही अगस्त के पहले सप्ताह से सरगुजा संभाग के सभी जिलों में सदस्यता अभियान को गति देने का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश अध्यक्ष ने युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में सदस्यता अभियान से जुड़कर राष्ट्र निर्माण और संगठन की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

समाधान सेल की सूचना पर अवैध शराब बेचते युवक गिरफ्तार, 35 पाव देशी मसाला शराब जब्त

रायपुर। जिले में संचालित समाधान सेल की हेल्पलाइन पर मिली सूचना के आधार पर सिटी कोतवाली पुलिस ने अवैध शराब बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 35 पाव देशी मसाला शराब, जिसकी अनुमानित कीमत 3,500 है, जब्त की है। पुलिस के अनुसार, आमजनों की शिकायतों और आपराधिक गतिविधियों की सूचना पर त्वरित कार्रवाई के लिए जिले में समाधान सेल शुरू किया गया है। हेल्पलाइन नंबर 94792 20392 पर कॉल या व्हाट्सएप के माध्यम से मिलने वाली सूचनाओं के आधार पर लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देशन में 29 जुलाई 2026 को समाधान सेल में मिली सूचना पर सिटी कोतवाली पुलिस टीम ने ग्राम ढाबाडीह में घेराबंदी की। कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से शराब बेच रहे एक युवक को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नारद ध्रुव (23 वर्ष), निवासी ग्राम ढाबाडीह, थाना सिटी कोतवाली के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से 35 पाव देशी मसाला शराब जब्त की। आरोपी के खिलाफ थाना सिटी कोतवाली में आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

रायपुर में 250 छात्राओं को यातायात, महिला और साइबर सुरक्षा की दी जानकारी

रायपुर। डीसीपी यातायात डॉ. अर्चना झा के मार्गदर्शन में सड़क सुरक्षा जनजागरूकता अभियान के तहत कालीबाड़ी स्थित लक्ष्मी नारायण कन्या विद्यालय में यातायात, महिला सुरक्षा एवं साइबर सुरक्षा को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 8वीं से 12वीं तक की करीब 250 छात्राओं, शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को सुरक्षित, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना रहा। विद्यालय की प्राचार्या मनीषा गहोई की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में एसीपी ट्रैफिक स्नेहिल साहू ने साइबर और महिला सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को ऑनलाइन ठगी से बचाव, सुरक्षित डिजिटल व्यवहार, सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग और महिलाओं से संबंधित अपराधों की जानकारी दी। इस दौरान चाइल्ड हेल्पलाइन, साइबर क्राइम पोर्टल एवं हेल्पलाइन, पिंक पेट्रोल, पुलिस कंट्रोल रूम, 112 और अभिव्यक्ति ऐप के बारे में भी बताया गया। एसीपी ट्रैफिक सीमा अहिरवार ने सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों की जानकारी देते हुए कहा कि संविधान नागरिकों को अधिकारों के साथ कर्तव्यों का भी बोध कराता है। जब नागरिक अपने अधिकारों के साथ जिम्मेदारियों का पालन करेंगे, तभी सुरक्षित समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने छात्राओं और शिक्षकों से अपील की कि स्कूल आने-जाने के लिए क्यूआर कोड युक्त ऑटो या ई-रिक्शा का ही उपयोग करें। वाहन में लगे क्यूआर कोड को स्कैन कर उसकी जानकारी अभिभावकों के साथ साझा करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में छात्राओं को क्विक रिस्पॉन्स टीम, आईटीएमएस और ई-चालान प्रणाली सहित आधुनिक यातायात प्रबंधन व्यवस्था की जानकारी भी दी गई। यातायात जाम या अन्य समस्या की स्थिति में यातायात पुलिस से सहायता लेने के बारे में भी बताया गया।

छत्तीसगढ़ के 160 गांवों का होगा चयन, प्रत्येक ग्राम सभा को मिलेंगे 15 लाख रुपये

रायपुर। अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम-2006 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत प्रदेश के 160 गांवों के चयन की प्रक्रिया शुरू की है। चयनित प्रत्येक ग्रामसभा को सामुदायिक वन संसाधन संरक्षण एवं प्रबंधन योजना के क्रियान्वयन के लिए 15 लाख रुपये की स्वीकृति दी जाएगी। आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग ने इस संबंध में सभी संबंधित जिलों के कलेक्टरों को पत्र जारी कर निर्धारित मानकों के अनुसार गांवों का चयन करने के निर्देश दिए हैं। इन गांवों में सामुदायिक वन संसाधन (सीएफआर) के संरक्षण, संवर्धन और प्रबंधन के लिए सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन योजना (सीएफआरएमपी) तैयार कर लागू की जाएगी। योजना के तहत प्रत्येक चयनित ग्रामसभा में सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन समिति का गठन किया जाएगा, जो ग्रामसभा के माध्यम से योजना के संचालन और क्रियान्वयन की जिम्मेदारी संभालेगी। इसके लिए प्रत्येक ग्रामसभा के नाम से राष्ट्रीयकृत बैंक में एक सिंगल करंट अकाउंट भी खोला गया है।

भरपूर खाद-बीज, मजबूत योजनाएं और आधुनिक खेती से समृद्धि की राह पर छत्तीसगढ़ का किसान

कृषक उन्नति योजना से किसानों को मिली बड़ी आर्थिक ताकत-नेताम

- उर्वरकों का 98 प्रतिशत भंडारण, किसानों को डीबीटी से हजारों करोड़ की सहायता, उद्यानिकी, पशुपालन और मत्स्य क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में कृषि को अधिक लाभकारी, तकनीक आधारित और किसान केंद्रित बनाने की दिशा में राज्य सरकार लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज एवं उर्वरकों की उपलब्धता, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से आर्थिक सहायता, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, कृषि यंत्रीकरण, प्राकृतिक खेती, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन तथा कृषि अधोसंरचना के विकास के माध्यम से प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था को नई गति मिल रही है। कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी, पशुधन विकास, मत्स्य पालन एवं उद्यानिकी मंत्री श्री रामविचार नेताम तथा कृषि उत्पादन आयुक्त श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने आज संयुक्त रूप से आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में विभागीय उपलब्धियों एवं आगामी कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर कृषि विभाग के संचालक श्री राहुल देव, पशुधन विकास विभाग के श्री चंद्रकांत वर्मा, छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के एमडी श्री अजय अग्रवाल, उद्यानिकी विभाग संचालक श्री लोकेश चंद्राकर, मत्सय विभाग के संचालक श्री एनएस नाग, छत्तीसगढ़ राज्य मण्डी बोर्ड के एमडी श्री महेन्द्र सक्त्री, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय के कुलपति के डॉ. विनित सक्सेना उपस्थित

थे। कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी, पशुधन विकास, मत्स्य पालन एवं उद्यानिकी मंत्री श्री रामविचार नेताम तथा कृषि उत्पादन आयुक्त श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने आज संयुक्त रूप से आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में विभागीय उपलब्धियों एवं आगामी कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी दी। मंत्री श्री नेताम ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता किसानों की आय में वृद्धि, खेती की लागत में कमी तथा कृषि को आधुनिक और टिकाऊ बनाना है। राज्य में कृषि एवं उससे जुड़े सभी क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से कार्य किए जा रहे हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम अब दिखाई देने लगे हैं। प्रेसवार्ता में कृषि उत्पादन आयुक्त श्री परदेशी ने बताया कि खरीफ सीजन 2026 के लिए अप्रैल से सितंबर तक 15.55 लाख मीट्रिक टन रासायनिक उर्वरकों का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसके विरुद्ध 30 जुलाई 2026 तक 15.16 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का भंडारण किया जा चुका है, जो लक्ष्य का लगभग 98 प्रतिशत है। किसानों द्वारा अब तक 10.23 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का उठाव किया जा चुका है तथा लगभग 4.93 लाख मीट्रिक टन उर्वरक शेष उपलब्ध है। यूरिया का लक्ष्य से अधिक 102 प्रतिशत भंडारण किया गया है, जबकि डीएपी, एनपीके, एमओपी एवं एसएसपी सहित सभी प्रमुख उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। विभाग द्वारा कालाबाजारी, जमाखोरी तथा अवैध भंडारण पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। 30 जुलाई तक 5,466 निरीक्षण किए गए, जिनमें अनेक मामलों में एफआईआर, लाइसेंस निलंबन, निरस्तीकरण तथा उर्वरक जब्ती जैसी कार्रवाई की गई। प्रदेश में खरीफ 2026 के लिए लगभग 4.95 लाख क्विंटल बीज की मांग के विरुद्ध 4.85 लाख क्विंटल प्रमाणित बीजों का भंडारण किया गया है, जो लगभग 98 प्रतिशत उपलब्धता को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल से जिला जशपुर को सड़क विकास की बड़ी सौगात

- चार ग्रामीण संपर्क मार्गों के निर्माण के लिए 8.44 करोड़ रुपये से अधिक की प्रशासकीय स्वीकृति
- बेहतर सड़क संपर्क से शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और व्यापार को मिलेगा नया संबल

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में ग्रामीण अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाने की दिशा में जशपुर जिले को एक और महत्वपूर्ण सौगात मिली है। राज्य शासन ने वर्ष 2025-26 के बजट प्रावधान के अंतर्गत जिले के चार प्रमुख ग्रामीण संपर्क मार्गों के निर्माण के लिए कुल 8 करोड़ 44 लाख 68 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। इन सड़कों के निर्माण से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी मजबूत होगी तथा आवागमन के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं व्यापारिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी। शासन के इस निर्णय से क्षेत्रवासियों में उत्साह और खुशी का माहौल है। राज्य शासन द्वारा जारी स्वीकृति के अनुसार बुलडेगा से रेचवाघाट पहुंच मार्ग (1.20 किलोमीटर) के निर्माण के लिए 1 करोड़ 23 लाख 77 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इस सड़क के निर्माण से ग्रामीणों को वर्षभर सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा

मिलेगी तथा दैनिक आवागमन में आने वाली परेशानियां दूर होंगी। इसी प्रकार खुंटापानी से सलियामुड़ा पहुंच मार्ग (3 किलोमीटर) के निर्माण के लिए 3 करोड़ 46 लाख 67 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह मार्ग कई गांवों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। सड़क बनने से विद्यार्थियों को विद्यालय, मरीजों को स्वास्थ्य संस्थानों तथा किसानों को कृषि उपज के परिवहन में बेहतर सुविधा मिलेगी।कोसमभावना से बनगांव पहुंच मार्ग (1.20 किलोमीटर) के निर्माण, जिसमें पुल-पुलिया का निर्माण भी शामिल है, के लिए 1 करोड़ 43 लाख 84 हजार रुपये की स्वीकृति दी गई है। इस परियोजना से विशेषकर बरसात के दौरान आवागमन बाधित होने की समस्या का स्थायी समाधान होगा और ग्रामीणों को पूरे वर्ष सुरक्षित आवागमन का लाभ मिलेगा। इसके अतिरिक्त बुलडेगा मेन रोड से सुकबासुपारा होते हुए भिंजपुर पहुंच मार्ग (2.50 किलोमीटर) के निर्माण के लिए 2 करोड़ 30 लाख 40 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस सड़क के निर्माण से क्षेत्र के अनेक गांवों की कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

वनांचल के गांव में स्वास्थ्य कर्मियों ने घर-घर बनाकर दिए आयुष्मान कार्ड....

- अंधेरी रात, मूसलाधार बारिश और टॉर्च की रोशनी में पहुंचा स्वास्थ्य सुरक्षा का भरोसा

रायपुर/ संवाददाता

घर-घर जाकर आयुष्मान कार्ड बनाने की विशेष योजना के तहत सरकार और स्वास्थ्य विभाग की टीमें पात्र परिवारों के घर पहुंच रही हैं। इसके अलावा, आप खुद भी घर बैठे Beneficiary Portal या मोबाइल ऐप के जरिए आसानी से अपना आयुष्मान कार्ड बना सकते हैं। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के कोंटा विकासखंड के सुदूर वनांचल स्थित ग्राम कामापेदागुड़ा में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने जनसेवा की एक प्रेरक मिसाल पेश की। घनघोर अंधेरा, लगातार बारिश और बिजली नहीं होने जैसी कठिन परिस्थितियों के बावजूद स्वास्थ्य विभाग की टीम टॉर्च और मोबाइल की रोशनी के सहारे गांव के घर-घर पहुंची और पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान भारत तथा वय वंदन योजना के कार्ड बनाए। एक ही रात में टीम ने 15 आयुष्मान कार्ड और 2 वय वंदन योजना के कार्ड तैयार किए। स्वास्थ्य कर्मियों ने उन परिवारों तक पहुंचकर कार्ड बनाए, जिन्हें इलाज के खर्च की चिंता लंबे समय से परेशान कर रही थी। इस अभियान ने यह साबित किया कि सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहा है। आयुष्मान कार्ड प्राप्त करने वाली हितग्राही संध्या पंडो ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की टीम रात में उनके घर पहुंची और उनका आयुष्मान कार्ड बनाया। अब उन्हें इलाज के खर्च की चिंता नहीं रहेगी। उन्होंने बताया कि यह कार्ड उनके परिवार के लिए कठिन समय में सुरक्षा और भरोसे का आधार बनेगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अब सुकमा जैसे दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंच रहा है। जिले में 2 लाख 51 हजार 722 पात्र हितग्राहियों के लक्ष्य के मुकाबले अब तक 2 लाख 04 हजार 944 आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। शेष 46 हजार 767 पात्र हितग्राहियों को भी शीघ्र आयुष्मान योजना से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। कामापेदागुड़ा की यह घटना बताती है कि जब प्रशासन की मंशा मजबूत हो और कर्मचारी पूरी निष्ठा से काम करें, तब अंधेरी रात, मूसलाधार बारिश और कठिन रास्ते भी जनसेवा के कार्य को नहीं रोक सकते। स्वास्थ्य विभाग की यह पहल ग्रामीणों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा का नया भरोसा बनकर सामने आई है।

मूकबधिर बच्चों के लिए स्पीच थेरेपी प्रारंभ करने कलेक्टर को लिखा पत्र..

रायपुर। पूर्व संसदीय सचिव छग शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चन्द्राकर ने कलेक्टर को पत्र प्रेषित कर जिले में मूक-बधिर बच्चों के लिए सरकारी स्तर पर स्पीच थेरेपी प्रारंभ करने की मांग की है। उन्होंने पत्र में उल्लेख किया कि जिले में पंजीकृत और अपंजीकृत बड़ी संख्या में मूक-बधिर बच्चे निवासरत हैं जिनमें से अधिकांश गरीब तबके के परिवारों से आते हैं। इन बच्चों के सर्वांगीण विकास और समाज की मुख्यधारा से जुड़ने के लिए स्पीच थेरेपी अत्यंत आवश्यक है, लेकिन वर्तमान में शासकीय स्तर पर इस सुविधा का अभाव है। पूर्व विधायक ने बताया कि समाज कल्याण विभाग द्वारा ग्राम खैरा स्थित बहुविकलांग भवन में पहले से ही बहुविकलांग बच्चों

के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उसी भवन में यदि स्पीच थेरेपी की व्यवस्था भी शुरू कर दी जाए तो संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और जरूरतमंद बच्चों को उनके घर के नजदीक ही उपचार मिल सकेगा। उन्होंने सुझाव दिया कि इस कार्य के लिए समाज कल्याण विभाग के पास निराश्रित निधि अथवा मण्डी शुल्क से प्राप्त राशि का उपयोग किया जा सकता है। पूर्व में भी इसी निधि से बहुविकलांग भवन का निर्माण और संचालन किया गया था, इसलिए अब इस निधि को बच्चों की थेरेपी के लिए भी उपयोग में लाया जाना चाहिए। पत्र में यह भी कहा गया है कि अभी एक निजी एनजीओ द्वारा बिना पंजीयन के स्पीच थेरेपी कराई जा रही है जिसके लिए प्रतिदिन लगभग 500 रुपये का शुल्क लिया जा रहा है। गरीब परिवार वर्षों तक चलने वाली इस थेरेपी का इतना खर्च वहन करने में सक्षम नहीं हैं, जिससे कई बच्चे उपचार से वंचित रह जा रहे हैं। यदि शासन द्वारा शीघ्र पहल नहीं की गई तो जिले के सैकड़ों बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो सकता है। श्री चन्द्राकर ने कलेक्टर से अनुरोध किया है कि समाज कल्याण विभाग अथवा जिला खनिज न्यास निधि के माध्यम से तत्काल स्पीच थेरेपी प्रारंभ करने की स्वीकृति प्रदान की जाए।

मुस्कुराता बस्तर थीम पर जगदलपुर में होगी कार्टून कार्यशाला

रायपुर। छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग के सहयोग से देश की एकमात्र मासिक कार्टून पत्रिका कार्टून वॉच द्वारा जगदलपुर में स्कूली विद्यार्थियों के लिए 'मुस्कुराता बस्तर' थीम पर विशेष कार्टून कार्यशाला आयोजित की जाएगी। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को कार्टून और कैरिकेचर कला का प्रशिक्षण देने के साथ बस्तर की संस्कृति, पर्यटन और लोकजीवन को रचनात्मक अभिव्यक्ति देना है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बस्तर में हो रहे विकास, पर्यटन और सांस्कृतिक पहचान को ध्यान में रखते हुए कार्यशाला की थीम 'मुस्कुराता बस्तर' रखी गई है। आयोजन के माध्यम से बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता, जनजातीय संस्कृति और समृद्ध विरासत को कार्टून कला के जरिए सकारात्मक रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

सेवा, शिद्दत और संकल्प से करें काम

हर पात्र हितग्राही तक पहुंचे योजनाओं का लाभ-उपमुख्यमंत्री अरुण साव

- उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने विकास कार्यों और योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री तथा बेमेतरा जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव ने आज बेमेतरा जिला मुख्यालय में अधिकारियों की बैठक लेकर केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन तथा जिले के समग्र विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने बैठक में अधिकारियों से कहा कि वे सेवा, शिद्दत और संकल्प के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा बेमेतरा को विकास के हर क्षेत्र में प्रदेश का अग्रणी जिला बनाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करें। उन्होंने कहा कि बेमेतरा भौगोलिक एवं प्रशासनिक दृष्टि से अनुकूल जिला है, जहां बेहतर कार्य करने की अपार संभावनाएं हैं। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री दयाल दास बघेल, विधायक श्री दीपेश साहू और ईश्वर साहू तथा कलेक्टर श्रीमती प्रतिष्ठा ममगाईं भी बैठक में शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि एक सफल अधिकारी वही होता है जो पूर्व नियोजित कार्ययोजना के साथ निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करता है। सभी अधिकारी जनसेवक की भावना से कार्य करते हुए जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरें, स्वयं का नियमित मूल्यांकन करें तथा अपनी कमियों को दूर कर बेहतर परिणाम सुनिश्चित करें। उप मुख्यमंत्री ने खरीफ सीजन को देखते हुए किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद-बीज उपलब्ध कराने, मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाने तथा जल संरक्षण, जल संवर्धन और जल संचयन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत निर्मित योजनाओं को ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित कर उनके सुचारु संचालन पर भी बल दिया। उन्होंने बारिश के दौरान क्षतिग्रस्त सड़कों की शीघ्र मरम्मत तथा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम

के लिए ग्राम पंचायतों के माध्यम से जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए। श्री साव ने जिले में संचालित विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी स्वीकृत निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, आदिवासी विकास प्राधिकरण सहित अन्य निर्माण परियोजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बढ़ते शहरीकरण के बीच जल संकट और प्रदूषण बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं। इसलिए जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। उन्होंने वर्षा जल संग्रहण, पुराने तालाबों एवं नहरों के जीर्णोद्धार, जल संरक्षण अभियान, व्यापक वृक्षारोपण, पार्कों के विकास तथा प्रदूषण नियंत्रण के प्रभावी उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, कचरे के पृथक्करण और सार्वजनिक स्थलों की नियमित सफाई पर विशेष जोर दिया। श्री साव ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ खेल गतिविधियों को भी बढ़ावा देना आवश्यक है। खेल बच्चों में अनुशासन, रचनात्मकता, आत्मविश्वास और सामाजिक सहभागिता विकसित करते हैं, तथा बच्चों को नकारात्मक गतिविधियों से दूर रखते हैं। उन्होंने सभी बच्चों को खेलों से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन की मंशा है कि प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े पात्र व्यक्ति तक पहुंचे। इसके लिए अधिकारियों को मैदानी स्तर पर सक्रिय रहकर समस्याओं का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं कृषि सहित सभी योजनाओं में शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने, कार्यों में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी।

संपादकीय

नीट 2026 विवाद के बाद शिक्षा व्यवस्था में सुधार की चुनौती

जरूरत इस बात की है कि न केवल परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक होने, बल्कि व्यापक शैक्षिक सुधारों के प्रति ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ सरकार कदम आगे बढ़ाए। एक स्वस्थ लोकतंत्र की यही खूबसूरती है कि अगर किसी मसले पर सरकार के रुख की वजह से जनता के बीच असंतोष और विरोध की भावना बढ़ रही हो, तो सरकार को इस पर विचार करना चाहिए। इस लिहाज से देखें तो पिछले कुछ समय से नीट 2026 में प्रश्नपत्र लीक होने के मसले पर लोगों के भीतर उभरे व्यापक क्षोभ और विरोध के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का आखिर इस्तीफा देना लोकतांत्रिक परंपरा की ही अगली कड़ी है। हालांकि सरकार ने अगर इस संबंध में समय रहते ठोस फैसला किया होता और जनता के बीच स्पष्ट संदेश देने की कोशिश की होती, तो शायद लोगों के बीच आक्रोश का दायरा इतना नहीं फैलता, जिसने सरकार की मंशा पर गहरे सवाल उठाए।प्रश्नपत्र लीक होने की घटना के उजागर होने के बाद से ही समूचा सरकारी तंत्र एक तरह से कठघरे में खड़ा था और लोगों ने सरकार से जिम्मेदारी तय करने के साथ-साथ ठोस कार्रवाई की मांग की थी। मगर सरकार ने इस मसले पर तब तक उपेक्षा और उदासीनता का रुख अपनाए रखा, जब तक काकरोच जनता पार्टी के आह्वान के बाद दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में इस मुद्दे पर व्यापक जनांदोलन नहीं खड़ा हो गया।विचित्र यह भी है कि प्रश्नपत्र लीक होने की घटना की गंभीरता और उस पर लोगों के बीच पसरते आक्रोश की तीव्रता का अंदाजा होने के बावजूद सरकार ने न तो ठोस कार्रवाई करने का संकेत दिया और न ही आंदोलन के लिए सड़क पर उतरे विद्यार्थियों से संवाद कायम करने की कोशिश की। इसके उलट जंतर मंतर पर जमे प्रदर्शनकारियों ने जब 'संसद मार्च' के आह्वान के जरिए अपनी मांग और आवाज को आगे बढ़ाना चाहा, तो उन्हें रोकने के लिए सरकार ने एक तरह पुलिस को खुला छोड़ दिया गया। नतीजतन, पुलिस ने हर मानवीय तकाजे को ताक पर रख कर प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले छोड़े और बेरहमी से लाठीचार्ज किया।सरकार का यह रवैया लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों को चोट पहुंचाने वाला था। इसी के बाद न केवल दिल्ली में, बल्कि देश के कई राज्यों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। यह एक तरह से इस समूचे मुद्दे पर सरकार के अपरिपक्व रवैये का सबूत था, जिसके तहत आंदोलनकारियों से संवाद करके समस्या का समाधान निकालने के बजाय बल प्रयोग के जरिए उनका दमन करने की कोशिश की गई।जाहिर है, सरकार का यह रुख एक और अलोकतांत्रिक तथा गैरजिम्मेदार कदम के रूप में देखा गया और सवाल उठे कि क्या इस तरह असहमत होने और विरोध करने के संवैधानिक अधिकारों का दमन किया जा रहा है।

गुरु होता है आध्यात्मिक ज्ञान का पोषक

आज गुरु पूर्णिमा के दिन अपने गुरु के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने की प्रबल इच्छा ही वह ताकत बन गई है जिसके चलते मैं गुरु के विषय में अपने विचारों को कलमबद्ध करने बैठा हूं । मै तो ईश्वर की कृपा ही मानता हूं कि मुझे इतने अच्छे गुरु या कहूँ गुरुओं का सानिध्य मिला जिनके आशीर्वाद ने मुझे एक दिशा प्रदान की । मैने यह अनुभव किया है कि एक सच्चा गुरु निः स्वार्थ प्रेम , ज्ञान और सादगी का प्रतीक होता है । लालच जैसे अवगुण से कहीं दूर गुरु अपने कर्तव्य को धर्म मानते हुए ही आचरण करते हैं । वे कभी भी व्यवहार को व्यापार नहीं बनने देते । उनके हृदय में अहंकार नहीं होता । उनके वचन वेदों और शास्त्रों के अनुकूल होते हैं । वे ही इस मृत्युलोक में अच्छे - बुरे का ज्ञान कराकर सही मार्ग पर अपने शिष्यों को प्रशस्त करते हैं । सांसारिक लाभ या धन की अपेक्षा उन्हें दूर -दूर तक छू नहीं पाती है । एक गुरु का उद्देश्य शिष्य के भीतर छिपे आध्यात्मिक ज्ञान को जागृत करना ही होता है । यह भी शाश्वत सत्य है कि गुरु का ज्ञान और उनके द्वारा दिए गए उपदेश प्रामाणिक होते हैं । दिखावा और पाखण्ड उनके विचारों को दूषित नहीं कर पाते हैं । अनुशासन और श्रेष्ठ चरित्र ही गुरु की महिमा माने जाते हैं । एक गुरु कभी भी अपने शिष्य को अंधेरे में नहीं रखता । संदेहों का समाधान कर वे अपने शिष्य को प्रगति के पथ पर अग्रसर करते हैं ।

आज की बदली परिस्थितियों में गुरु और शिष्य के संबंध नगण्य हो चले हैं ! अब न तो गुरुकुल की परंपरा रही और न ही समर्पित गुरुओं का सानिध्य ! आज के समय में हमारी पीढ़ी ने नए गुरु की खोज कर ली है , जिसे ÷ गूगल ÷ गुरु के नाम से जाना जाता है ! हम यदि अपने बच्चों को कोई सीख देना चाहें तो वे इसके लिए सहज रूप से तैयार नहीं होते हैं ! गूगल ने जो कुछ बता दिया वही पत्थर की लकीर बन जाती है ! हमारी पीढ़ी इस बात को मानने तैयार नहीं कि जीवन में एक गुरु का होना अत्यंत जरूरी है । आज मै अपने इस लेख के माध्यम से दुस्साहस करते हुए वर्तमान पीढ़ी को गुरु की महिमा से अवगत कराना चाहता हूं । हमने हमेशा से ही गुरु महिमा का वर्णन अपने बुजुर्गों से सुना है । वे कहा करते थे जिसका कोई गुरु नहीं , उसका उद्धार नहीं। एक छोटा सा कथानक याद आ रहा है - ÷ एक बार सुखदेव ऋषि अपनी सिद्धि की शक्ति के बल पर उड़ान भरते हुए स्वर्ग पहुंच गए । भगवान विष्णु ने सुखदेव ऋषि के स्वर्ग प्रवेश को यह कहते हुए रोक दिया कि आपका अभी तक कोई गुरु नहीं है ! विवश होकर सुखदेव ऋषि को धरती पर लौटना पड़ा ! बाद में उन्होंने राजा जनक को अपना गुरु बनाया और स्वर्ग में स्थान पाया ।

इस संसार में गुरु ही वह व्यक्ति है जो मनुष्य को जन्म -मरण के रोग रूपी अंधकार से मोक्ष रूपी प्रकाश की ओर ले जाता है । समाज में व्याप्त अंधविश्वास , रूढ़िवादिता , पाखंडवाद और अंध भक्ति की गहरी नींद से जगाकर मानवीय समाज को वास्तविक और प्रमाणिक भक्ति का मार्ग एक गुरु ही दिखाता है । इतिहास के पन्नों में दर्ज कहानी और दृश्य बताते हैं कि इस धरती पर जितने भी महापुरुष हुए , सभी ने गुरुओं की कृपा पाई । भगवान विष्णु के अवतार प्रभु श्रीराम हों या फिर श्रीकृष्ण और गुरुनानक ही क्यों न हों , सभी के गुरुओं की कहानी हम पढ़ते आ रहे हैं । सभी ने अपनी अंतिम साँस तक गुरु की मर्यादा में रहकर उनकी भक्ति और पूजा की । भगवान श्रीराम ने वशिष्ठ जी को अपना आध्यात्मिक गुरु बनाकर उनसे दीक्षा ग्रहण की । आज की पीढ़ी यह बताना चाहती है कि कंप्यूटर और इंटरनेट के माध्यम से उन्होंने जो कुछ सीखा वही सर्वथा सत्य है ! इसे मै कुएं के मेंढ़क की सोच ही मानता हूं । आज के आधुनिक और तकनीकी युग में भी , जहां जानकारी आसानी से उपलब्ध है , एक सच्चे मार्गदर्शक या गुरु की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है । गुरु केवल किताबी ज्ञान ही नहीं ,बल्कि जीवन जीने की सही कला , नैतिक मूल्य और अनुशासन भी सिखाता है । एक सच्चा गुरु ही हमें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं । असमंजस की स्थिति में गुरु का मार्गदर्शन हमारा सबसे बड़ा संबल बनकर सामने आता है । गुरु का सानिध्य ही एक व्यक्ति को विनम्रता , धैर्य और सहनशीलता जैसे गुणों से परिपूर्ण करता है ।

हमारे जीवन में एक गुरु होना कितना जरूरी है , इसे एक कथानक से समझा जा सकता है । पोरस को जब बंदी बनाकर सिकंदर के सामने प्रस्तुत किया गया , तो सिकंदर ने पोरस से पूछा - आपके साथ कैसा बर्ताव किया जाए ? पोरस ने बड़ी ही सहजता से कहा - ÷ एक राजा , दूसरे राजा के साथ जैसा बर्ताव करता है , आप भी मेरे साथ वैसा ही करें ।÷ पोरस के उत्तर से प्रभावित होकर सिकंदर ने उसे न केवल रिहा किया बल्कि उसका राज्य भी लौटा दिया और खुद अपने देश लौट गया ! ठीक इसी तरह मोहम्मद गोरी ने पृथ्वीराज चौहान को बंदी बनाने के बाद वही प्रश्न किया कि -मुझसे तुम क्या अपेक्षा रखते हो ? पृथ्वीराज चौहान ने भी पोरस से मिलता - जुलता ही उत्तर दिया । पृथ्वीराज चौहान ने कहा - मैने तुम्हें अनेक बार क्षमादान दिया है , इसलिए तुम्हें भी मेरे साथ सम्मान पूर्वक व्यवहार करना चाहिए । पृथ्वीराज की इस मांग के बाद मोहम्मद गोरी ने उसकी आँखें फोड़ दीं और मृत्यु दंड की सजा सुना दी ! दोनों घटनाओं में समानता के बावजूद परिणाम अलग रहे ! जानते हैं ऐसा क्यों हुआ ? वह इसलिए कि सिकंदर के चरित्र और व्यवहार को उसके गुरु और मार्गदर्शक अरस्तू (एरिस्टोटल) ने अपने ज्ञान से तराशा था । इसके विपरीत मोहम्मद गोरी की संगत ऐसे किसी गुरु या मार्गदर्शक से नहीं थी ! वह जंगलियत में पैदा हुआ । जंगलियत में जिया और उसी जंगलियत में मर गया !

सामान्यतः यह देखने में आ रहा है कि लोग गुरु और शिक्षक को एक ही तराजू में तौलते हैं । भारतीय संस्कृति के मान से देखा जाए तो इन दोनों शब्दों में सूक्ष्म और महत्वपूर्ण अंतर दिखाई पड़ता है । स्कूल में पढ़ाने वाला शिक्षक वह व्यक्ति होता है जो हमें किसी विषय विशेष अथवा कौशल का ज्ञान प्रदान करता है । शिक्षक का कार्य क्षेत्र शिक्षण प्रक्रिया से जुड़ाव रखते हुए शैक्षणिक ही हुआ करता है । शिक्षक ज्ञान के एक विशिष्ट क्षेत्र के विशेषज्ञ होते हैं तथा अपना विद्यार्थियों को उस ज्ञान को व्यवस्थित तरीके से प्रदान करते हैं । मसलन गणित का शिक्षक जहां सूत्रों की जानकारी प्रदान करता है वहीं हिंदी भाषा का शिक्षक व्याकरण और साहित्य का ज्ञान प्रदान कर अपना कर्तव्य निभाता है ।

अब यदि बात की जाए ÷ गुरू÷ की तो एक गुरु का संबंध अपने शिष्य के साथ कहीं अधिक गहराई लिए होता है । गुरु का काम किताबी ज्ञान देना नहीं बल्कि वे अपने शिष्य के संपूर्ण व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं । वे शिष्य को जीवन जीने की कला सिखाते हैं । उनमें नैतिक मूल्यों का संचार करते हैं । साथ ही अपने शिष्य को आध्यात्मिक मार्ग पर अग्रसर करते हैं । गुरु और शिष्य का संबंध आजीवन बना रहता है । गुरु अपने शिष्य के हर पहलू पर अपनी शिक्षा का प्रभाव डालते रहते हैं । गुरु का मार्गदर्शन केवल शैक्षणिक नहीं होता बल्कि वह जीवन दर्शन , नैतिकता , धर्म और आध्यात्मिकता तक विस्तार लिए होता है । एक गुरु अपने शिष्य को केवल क्या पढ़ना है ? यह नहीं बताते वरन कैसे जीना है , यह भी सिखाते हैं । गुरु का उद्देश्य शिष्य को आत्म साक्षात्कार और मोक्ष की ओर ले जाना होता है । गुरु ही अपने शिष्य की आत्मा को पोषित करता है ।

डॉ.सूर्यकांत मिश्रा
राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)
9425559291

नई पीढ़ी के सामने भौतिकता, बाजारवाद और नैतिक मूल्यों की चुनौती

(राकेश सिन्हा)

नवउदारवादी व्यवस्था आलोचनात्मक विचार को खतरनाक मानती है। इसीलिए यह तकनीक तथा शरीर एवं सौंदर्य को केंद्र में रखकर अलग संस्कृति सृजन को प्रोत्साहित करती है। नई पीढ़ी सर्वत्र चर्चा में है। वे क्या सोचते हैं, कैसा व्यवहार करते हैं, किस प्रकार की भौतिकवादी संस्कृति को अपना रहे हैं, ये परिवार से लेकर चौक-चौराहे तक चर्चा में रहता है। मगर यह चर्चा चिंता, आलोचना, गपशप तक सिमट कर रह जाती है। इस पर चिंतन करने की जरूरत तो है, मगर फुर्सत किसी को नहीं है। इसके लिए एक आसान कारण ढूंढ़ा जाता है। वह है भौतिकता का दबदबा। इसके परिणामों का सबसे अधिक असर नई पीढ़ी पर माना जाता है, लेकिन भौतिकता से भयभीत होना अपनी अक्षमता और विफलता पर पर्दा डालना है। इतिहास के अनेक कालखंडों में समृद्धि ने आसमान छुआ, मगर उससे सामाजिक भविष्य खतरे में नहीं आया। मूल प्रश्न यह है कि नियंत्रित भौतिकता और नैतिक उपभोग के लक्ष्य के लिए हम क्या कर रहे हैं? नियंत्रित भौतिकता का अर्थ समृद्धि में समाज की साझेदारी है। ऐसा होने से भौतिक प्रगति असंतुलित नहीं होती है और सामाजिक दबाव उस पर बना रहता है। मगर पूरी दुनिया में नवउदारवाद समाज की साझेदारी को घटा रहा है। सब कुछ बाजार तय करता है। उदाहरण सामने हैं- बाजार ने तय कर लिया कि सौंदर्य प्रसाधन उद्योग को बढ़ाना है, तो हम सब उसके उपक्रम बन गए। वर्ष 2010 में वैश्विक सौंदर्य प्रसाधन उद्योग छत्तीस हजार करोड़ रुपए का था, जो 2025 में 61 हजार करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि बाजार हमारी इच्छा, उपयोगिता और मांग निर्धारित करता है। इससे स्पष्ट है कि आज लोग बाजार के लिए एक आंकड़ा बनकर रह गए हैं। बाजार हमें उपभोग की किसी भी इच्छा की पूर्ति के लिए असीमित स्वतंत्रता देता है। इसलिए यह हमारे सामाजिक संबंधों और स्वतंत्रता को भी निर्धारित करने लगा है। विज्ञान शरीर को सुविधा देने वाली खोज कर सकता है, पर सामाजिकता और संवेदनशीलता पैदा नहीं कर सकता। ऐसे में 'नैतिक उपभोग' महत्त्वपूर्ण हो जाता है। इसका अर्थ है उपभोग मानवीय संवेदना और सामाजिक सरोकारों के दायरे में किया जाना। मगर बाजारवाद असीमित और शरीरवादी मानसिकता पैदा कर रहा है। इसलिए विलासितापूर्ण जीवन पर जो सामाजिक दबाव होना चाहिए उसका क्षरण हो रहा है। नवउदारवाद मनुष्य की चिंतनशील प्रकृति को बदल रहा है। इसका पहला निशाना शिक्षा है। परंपरागत शिक्षा का ध्येय सिर्फ पेट भरने के लिए सक्षम होना नहीं, बल्कि मनुष्य को सामाजिक हित से जोड़ना है। इसी को रामचंद्र शुक्ल ने गेंहू और गुलाब के बीच संतुलन कहा था। वे समानता, न्याय और स्वतंत्र चिंतन के भाव को मानव समाज की उन्नति के लिए आवश्यक मानते हैं। नवउदारवादी व्यवस्था आलोचनात्मक विचार को खतरनाक मानती है। इसीलिए यह तकनीक तथा शरीर एवं सौंदर्य को केंद्र में रखकर अलग संस्कृति सृजन को प्रोत्साहित करती है। समाज को सामूहिक रूप से चेतना शून्य करने के लिए इसने शिक्षा की परिभाषा ही बदल दी है। अब ज्ञान को आर्थिक दृष्टि से परखा और तौला जाने लगा है। जिस ज्ञान से उत्पादन-वितरण और उपभोग में लाभ हो, उसी को प्राथमिकता दी जाने लगी है। तभी तो जापान ने वर्ष 2015 में विश्वविद्यालयों से कहा कि समाज शास्त्र और साहित्य के दायरे को कम किया जाए। इसके दस साल बाद न्यूजीलैंड ने मार्सडेन फंड से सामाजिक विज्ञान को मिलने वाली सहायता को समाप्त कर दिया। पश्चिम का कोई भी देश अमेरिका हो या ब्रिटेन इसका अपवाद नहीं है। सामाजिक विज्ञान अब सिर्फ दिन-प्रतिदिन की जरूरतों की जानकारी का विषय बनता जा रहा है। सामाजिक विज्ञान को आर्थिक संदर्भ में जब मापा जाएगा, तब इसका उत्तर शून्य होगा। यह मन और मस्तिष्क को आलोचनात्मक दृष्टिकोण से चीजों को परखने की क्षमता एवं साहस पैदा करता है, जिसे बाजार नापसंद करता है। आज हम संक्षेप में जानकारियों की प्रचुरता और ज्ञान की दुर्लभता के युग में प्रवेश कर रहे हैं। भारत ने इस खतरे को पहचाना है। जहां दुनिया भर में सामाजिक विज्ञान पर शोध में मितव्ययिता बरतने की सरकारी नीति है, वहीं भारत में सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में बजट बढ़ाया जा रहा है। शोध करने वाली संस्था भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद का बजट जो वर्ष 2019 में 157 करोड़ रुपए था, उसे बढ़ाकर वर्ष 2024 में 238 करोड़ रुपए कर दिया गया। यह मौजूदा सरकार की ओर से नवउदारवाद की आधारभूत मान्यताओं को चुनौती देने की तरह है। देश की नई शिक्षा नीति एक अवसर है ज्ञान के महत्त्व को पुनर्स्थापित करने का। इसमें भारत का इतिहास हमें राह दिखाता है। जब भौतिकता का ज्ञान पर हमला होता है, तब ज्ञान की समांतर धारा का प्रस्फुटन होता है, जो स्थापित संरचनाओं से बाहर होता है।

एग्रो-वोल्टिक्स- खाद्य, ऊर्जा और पर्यावरण सुरक्षा का एकीकृत वैज्ञानिक मॉडल

किंतु विज्ञान ने इस द्वंद्व का एक अभिनव समाधान प्रस्तुत किया है, जिसे एग्रो-वोल्टिक्स या एग्री-सोलर प्रणाली कहा जाता है। यह ऐसी वैज्ञानिक अवधारणा है, जिसमें एक ही खेत पर फसल उत्पादन और सौर ऊर्जा उत्पादन दोनों साथ-साथ किए जाते हैं। परिणामस्वरूप वही भूमि एक साथ अन्न, ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण, तीनों की आवश्यकताओं की पूर्ति करती है। यही कारण है कि आज एग्रो-वोल्टिक्स को भविष्य की सतत कृषि और हरित ऊर्जा का एकीकृत मॉडल माना जा रहा है। एग्रो-वोल्टिक्स के पीछे कार्य करने वाला वैज्ञानिक दर्शन जीवविज्ञान और भौतिकी के अत्यंत सूक्ष्म एवं अंतर-संबंधी सिद्धांतों पर आधारित है।

(डॉ दीपक कोहली)

एग्रो-वोल्टिक्स के पीछे कार्य करने वाला वैज्ञानिक दर्शन जीवविज्ञान और भौतिकी के अत्यंत सूक्ष्म एवं अंतर-संबंधी सिद्धांतों पर आधारित है। साधारणतया यह माना जाता है कि पौधों को जितनी अधिक सूर्य की रोशनी मिलेगी, वे उतनी ही तेजी से वृद्धि करेंगे, परंतु वनस्पति विज्ञान के गहरे अध्ययन इस भ्रांति का निवारण करते हैं। तेजी से बढ़ती वैश्विक जनसंख्या, जलवायु परिवर्तन, कृषि योग्य भूमि में निरंतर कमी और स्वच्छ ऊर्जा की बढ़ती मांग ने मानव सभ्यता के सामने एक जटिल चुनौती खड़ी कर दी है, क्या एक ही भूमि से भोजन भी उगाया जा सकता है और ऊर्जा भी उत्पन्न की जा सकती है? लंबे समय तक यह माना जाता रहा कि कृषि और सौर ऊर्जा परियोजनाएँ एक-दूसरे की प्रतिस्पर्धी हैं, क्योंकि दोनों के लिए भूमि की आवश्यकता होती है। किंतु विज्ञान ने इस द्वंद्व का एक अभिनव समाधान प्रस्तुत किया है, जिसे एग्रो-वोल्टिक्स या एग्री-सोलर प्रणाली कहा जाता है। यह ऐसी वैज्ञानिक अवधारणा है, जिसमें एक ही खेत पर फसल उत्पादन और सौर ऊर्जा उत्पादन दोनों साथ-साथ किए जाते हैं। परिणामस्वरूप वही भूमि एक साथ अन्न, ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण, तीनों की आवश्यकताओं की पूर्ति करती है। यही कारण है कि आज एग्रो-वोल्टिक्स को भविष्य की सतत कृषि और हरित ऊर्जा का एकीकृत मॉडल माना जा रहा है। एग्रो-वोल्टिक्स के पीछे कार्य करने वाला वैज्ञानिक दर्शन जीवविज्ञान और भौतिकी के अत्यंत सूक्ष्म एवं अंतर-संबंधी सिद्धांतों पर आधारित है। साधारणतया यह माना जाता है कि पौधों को जितनी अधिक सूर्य की रोशनी मिलेगी, वे उतनी ही तेजी से वृद्धि करेंगे, परंतु वनस्पति विज्ञान के गहरे अध्ययन इस भ्रांति का निवारण करते हैं। जब सूर्य का प्रकाश और तापमान एक निश्चित सीमा से अधिक हो जाता है, तो अधिकांश पौधों में फोटो-इनहिबिशन यानी प्रकाश-संश्लेषण में बाधा की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। तीव्र ऊष्मा के कारण पौधों की पत्तियाँ अपनी रक्षा के लिए रंध्रों को बंद कर लेती हैं, जिससे कार्बन डाइऑक्साइड का अवशोषण रुक जाता है और पौधों का विकास अवरुद्ध हो जाता है। सोलर पैनलों को जब एक वैज्ञानिक कोण और पारभासी दूरी पर स्थापित किया जाता है, तो वे नीचे उगाई जाने वाली फसलों के लिए एक रक्षात्मक छत्र का कार्य करते हैं। यह आंशिक छाया पौधों को भीषण ताप-लहरों, चिलचिलाती धूप, अत्यधिक वाष्पोत्सर्जन और ओलावृष्टि जैसे मौसमी जोखिमों से बचाती है। परिणामस्वरूप, खेत के धरातल पर एक अनुकूल सूक्ष्म-जलवायु निर्मित होती है, जहाँ मिट्टी की नमी लंबे समय तक संरक्षित रहती है। वैज्ञानिक अध्ययनों से यह सिद्ध हो चुका है कि एग्रो-वोल्टिक्स प्रणालियों के अंतर्गत कृषि में सिंचाई जल की खपत में तीस से चालीस प्रतिशत तक की अभूतपूर्व कमी आती है, जो भूजल के गिरते स्तर से जूझ रहे क्षेत्रों के लिए एक जीवनदायिनी क्रांति से कम नहीं है। इस अंतर-विषयक प्रणाली की सबसे बड़ी विशेषता इसका सह-जैविक और परस्पर पूरक होना है, जहाँ कृषि और सौर पैनल एक-दूसरे की कार्यक्षमता को बढ़ाते हैं। जहाँ एक ओर सोलर पैनल फसलों को अत्यधिक ऊष्मा से बचाकर उनकी पैदावार और गुणवत्ता की रक्षा करते हैं, वहीं दूसरी ओर फसलों के श्वसन और मिट्टी से निकलने वाली स्वाभाविक नमी से निर्मित सूक्ष्म-वातावरण ऊपर स्थित सोलर पैनलों के तापमान को नियंत्रित रखता है। सिलिकॉन-आधारित सौर पैनलों की यह तकनीकी विडंबना है कि जैसे-जैसे उनका तापमान बढ़ता है, उनकी बिजली उत्पादन करने की दक्षता घटने लगती है। नीचे फसलों की हरियाली और वाष्पोत्सर्जन प्रक्रिया के कारण सोलर पैनलों का धरातलीय तापमान पाँच से दस डिग्री सेल्सियस तक कम बना रहता है, जिससे उनकी विद्युत उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की जाती है। विज्ञान और प्रकृति का यह अनूठा तालमेल न केवल ऊर्जा उत्पादन की दर को बढ़ाता है, बल्कि पैनलों की परिचालन अवधि को भी लंबा करता है। सामाजिक और आर्थिक धरातल पर, एग्रो-वोल्टिक्स भारतीय कृषि की सबसे बड़ी कमजोरी—आय की अनिश्चितता—पर सीधा प्रहार करता है। सदियों से भारतीय किसान मानसून की अनिश्चितता, चक्रवात, सूखा और बाजार के उतार-चढ़ाव के बीच अनिश्चितता का जीवन जीने को मजबूर रहा है। एग्रो-वोल्टिक्स प्रणाली किसान को केवल अन्नदाता के दायरे से निकालकर एक सशक्त ऊर्जादाता के रूप में स्थापित करती है। सोलर पैनलों से उत्पादित अधिशेष बिजली को राज्य के विद्युत ग्रिडों को बेचकर या नेट-मीटरिंग नीतियों के तहत जमा करके किसान एक सुनिश्चित, मासिक और वर्षभर चलने वाली वित्तीय आय प्राप्त कर सकता है। यह सुनिश्चित आय प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसल बर्बाद होने की स्थिति में किसान के लिए एक मजबूत आर्थिक सुरक्षा कवच का कार्य करती है। इसके अतिरिक्त, खेत में ही उत्पादित इस हरित ऊर्जा का उपयोग सिंचाई पंपों को चलाने, सौर चालित शीतगृहों (कोल्ड स्टोरेज) के संचालन और स्थानीय स्तर पर कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण एवं पैकेजिंग में किया जा सकता है। इससे महंगे डीजल और अनिश्चित ग्रिड बिजली पर किसान की निर्भरता पूरी तरह समाप्त हो जाती है, जिससे खेती की परिचालन लागत में भारी कमी आती है और किसान का शुद्ध लाभांश कई गुना बढ़ जाता है। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी एग्रो-वोल्टिक्स की सफलता का मुख्य आधार उपयुक्त फसलों का चयन और सुदृढ़ इंजीनियरिंग संरचना है। इस तकनीक के तहत सोलर पैनलों को भूमि से कम से कम आठ से दस फीट की ऊँचाई पर इस प्रकार स्थापित किया जाता है कि उनके नीचे ट्रैक्टर, कल्टीवेटर और अन्य आधुनिक कृषि यंत्रों का संचालन बिना किसी बाधा के हो सके। प्रकाश-छाया के इस संयोजन में आंशिक छाया को पसंद करने वाली फसलें जैसे टमाटर, मिर्च, बैंगन, आलू, गाजर, पत्तेदार सब्जियाँ, हल्दी, अदरक, और विविध औषधीय पौधे अत्यंत उत्कृष्ट पैदावार देते हैं। शुष्क और अर्ध-शुष्क इलाकों में केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान जैसे अग्रणी संस्थानों द्वारा किए गए व्यापक अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि यह तकनीक न केवल बंजर और कम उपजाऊ भूमि को पुनः कृषि योग्य बनाने की अपार क्षमता रखती है, बल्कि मरुस्थलीकरण की प्रक्रिया को रोकने और क्षरित भू-भागों के पारिस्थितिक पुनरुद्धार में भी निर्णायक भूमिका निभा सकती है।

नक्सल पुनर्वास समिति की समीक्षा बैठक, सभी विभागों को योजनाओं का लाभ समय पर दिलाने के निर्देश

मुख्यधारा में लौटे लोगों के पुनर्वास में नहीं हो देरी: कलेक्टर

बीजापुर। नक्सल पुनर्वास नीति को प्रभावी बनाने और आत्मसमर्पण करने वाले लोगों को जल्द से जल्द सरकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए शनिवार को जिला स्तरीय नक्सल पुनर्वास समिति की समीक्षा बैठक हुई।

कलेक्टर विश्वदीप ने अधिकारियों से कहा कि पुनर्वास से जुड़े किसी भी पात्र हितग्राही को योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। सभी विभाग समन्वय के साथ काम करें और लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करें।कलेक्टर ने कहा कि सरकार का उद्देश्य मुख्यधारा में लौटे लोगों को सम्मानजनक जीवन, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराना है। इसके लिए पुनर्वास प्राप्त हितग्राहियों को स्वरोजगार, कौशल विकास, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, राशन कार्ड, बैंकिंग सुविधाओं सहित अन्य शासकीय योजनाओं से प्राथमिकता के आधार पर जोड़ा जाए। उन्होंने सभी एसडीएम, जनपद पंचायतों और संबंधित विभागों को पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक उमेश प्रसाद गुप्ता ने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले लोगों का सफल पुनर्वास ही उन्हें स्थायी रूप से समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने प्रशासन और पुलिस के बेहतर समन्वय पर जोर देते हुए अधिकारियों से संवेदनशीलता के साथ सभी प्रक्रियाएं पूरी करने को कहा। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रविन्द्र मीणा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमन कुमार झा, अपर कलेक्टर भूपेन्द्र अग्रवाल, सभी अनुभागों के एसडीएम, एसडीओपी, डिप्टी तहसीलदार, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान विभागवार कार्ययोजना की समीक्षा कर पुनर्वास कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने पर चर्चा की गई।

पात्र हितग्राहियों को सभी शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश।

स्वरोजगार, कौशल विकास, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य व बैंकिंग सुविधाओं पर विशेष जोर।प्रशासन और पुलिस के समन्वय से पुनर्वास प्रक्रिया तेज करने की रणनीति।

लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश।

107 छात्राओं को मिली नई उड़ान: विधायक लता उसेंडी ने बांटी साइकिलें, 10 कंप्यूटरों का शुभारंभ, 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में किया पौधरोपण

कोंडागांव। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कोंडागांव में शनिवार को आयोजित सरस्वती साइकिल प्रदाय योजना के तहत कक्षा 9वीं की 107 छात्राओं को निःशुल्क साइकिलें वितरित की गईं। कार्यक्रम में बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक लता उसेंडी ने छात्राओं को साइकिलें सौंपते हुए उन्हें नियमित अध्ययन और शिक्षा के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय में 10 नए कंप्यूटरों का भी शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान विधायक ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास और प्रकृति के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया।अपने संबोधन में विधायक लता उसेंडी ने कहा कि शिक्षा ही उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है। उन्होंने कहा कि बेटियों की शिक्षा से परिवार, समाज और राष्ट्र का समग्र विकास सुनिश्चित होता है। राज्य सरकार की सरस्वती साइकिल प्रदाय योजना का उद्देश्य दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों की छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा उपलब्ध कराना, बालिका शिक्षा को बढ़ावा देना तथा विद्यालय छोड़ने की प्रवृत्ति को कम करना है। उन्होंने विश्वास जताया कि साइकिल मिलने से छात्राओं का आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ेंगी।कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल, दीपाश अरोरा, जीतू सुराना, श्रीमती पदमनी साहू, श्रीमती सुषमा खोब्रागड़े, संतोष पात्रे, ललित देवांगन, श्रीमती रेखा साहू, श्रीमती सुमन शुक्ला, ललित लुकड़, श्रीमती हिना श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, शिक्षक, पालक एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

घोटिया में जुए के फड़ पर कांकेर पुलिस का छापा, 2 जुआरी गिरफ्तार, नकदी व ताश जब्त

52 पत्ती ताश से हार-जीत का दांव लगाकर खेल रहे थे जुआ, छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम के तहत कार्रवाई

कांकेर। उत्तर बस्तर कांकेर जिले के दुर्गकोंदल थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम घोटिया में पुलिस ने जुए के फड़ पर दबिश देकर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से नकदी, 52 पत्ती ताश और जुआ फड़ जब्त किया। आरोपियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम, 2022 के तहत मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक कुमार राखेचा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीमाल के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी कांकेर शेर बहादुर सिंह के पर्यवेक्षण में दुर्गकोंदल पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम घोटिया में कुछ लोग रुपये-पैसों का दांव लगाकर 52 पत्ती ताश से जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी की। पुलिस को देखकर कुछ लोग मौके से भाग निकले, जबकि दो आरोपियों को रंगे हाथ जुआ खेलते हुए पकड़ लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान महेश चिराम (40 वर्ष) एवं खलेश्वर राणा (28 वर्ष), दोनों निवासी ग्राम घोटिया, थाना दुर्गकोंदल के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान महेश चिराम के पास से 600 रुपये नकद, खलेश्वर राणा के पास से 850 रुपये नकद तथा जुआ फड़ से 400 रुपये नकद बरामद किए गए। इसके अलावा 52 पत्ती ताश और एक जुआ फड़ भी जब्त किया गया। इस प्रकार पुलिस ने कुल 2,050 रुपये नकद, ताश और जुआ सामग्री जब्त की। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने रुपये-पैसों का दांव लगाकर हार-जीत का जुआ खेलना स्वीकार किया। पुलिस ने दोनों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम, 2022 की धारा 3 (2) के तहत अपराध दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की है।

नाबालिग को वाहन दिया तो अभिभावक पर भी होगी कार्रवाई

डारापाल में पुलिस की जनचौपाल, सड़क सुरक्षा के साथ साइबर फ्रॉड, नशामुक्ति और बारिश में सावधानी का दिया संदेश

बीजापुर। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और लोगों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शनिवार को थाना नेलसनार क्षेत्र के डारापाल स्थित अटल आवास में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस ने किशोरों और उनके अभिभावकों को स्पष्ट किया कि नाबालिगों को वाहन चलाने देना कानूनन अपराध है। यदि नाबालिग वाहन चलाते हुए दुर्घटना करता है या यातायात नियमों का उल्लंघन करता है तो वाहन मालिक और अभिभावक के खिलाफ भी मोटरयान अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा सकती है। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों ने सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का उपयोग अनिवार्य रूप से करें। निर्धारित गति सीमा का पालन करें, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करें और शराब या अन्य नशीले पदार्थों के सेवन के बाद वाहन न चलाएं। युवाओं को नशामुक्ति अभियान, साइबर फ्रॉड से बचाव और महिला सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी भी दी गई। पुलिस ने लोगों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन लिंक, कॉल या ओटीपी साझा करने से बचें और साइबर ठगी की आशंका होने पर तत्काल शिकायत दर्ज कराएं। बारिश के मौसम को देखते हुए पुलिस ने नदी-नालों और पुल-पुलियों पर पानी होने की स्थिति में जोखिम उठाकर पार नहीं करने की सलाह दी। कहा गया कि प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करना ही सुरक्षित रहने का सबसे प्रभावी उपाय है। कार्यक्रम में लोगों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। साथ ही बताया गया कि वैध ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन बीमा होने पर पात्रता के अनुसार सड़क दुर्घटना में कैशलेस उपचार योजना के तहत 1.5 लाख रुपए तक इलाज की सुविधा मिल सकती है।

महिला को जान से मारने की धमकी देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार, साइबर सेल की मदद से पुलिस ने दबोचा

रावघाट थाना, अंतागढ़ पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त कार्रवाई; घटना में प्रयुक्त मोबाइल भी जब्त, आरोपी न्यायिक रिमांड पर भेजा गया

कांकेर। कांकेर 1 अगस्त उत्तर बस्तर कांकेर जिले के रावघाट थाना क्षेत्र में एक विवाहित महिला को डरा-धमकाकर तथा उसके पति और बच्चों की हत्या की धमकी देकर दुष्कर्म करने वाले फरार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता की शिकायत पर रावघाट थाना में तत्काल अपराध दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा (भा.पु.से.) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतागढ़ आशीष बंछोर तथा एसडीओपी अंतागढ़ शुभम तिवारी के पर्यवेक्षण में रावघाट थाना, अंतागढ़ थाना और साइबर सेल की संयुक्त विशेष टीम गठित की गई। जांच के दौरान आरोपी लगातार अपना मोबाइल बंद कर स्थान बदलकर फरार हो रहा था। पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर की सूचना के आधार पर उसकी लोकेशन का पता लगाकर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी कृष्ण कुमार देहारी (28 वर्ष), निवासी ग्राम मुनगापदर कोलर, थाना रावघाट ने अपराध स्वीकार कर लिया। उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन भी बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64(1), 64(2)(द्व) एवं 351(2) के तहत कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी रावघाट निरीक्षक रामकुमार साव, थाना प्रभारी अंतागढ़ कोमल भूषण पटेल, साइबर सेल के यशवंत श्याम, पीएसआई लता सिंह तथा पुलिस टीम के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस अधीक्षक बस्तर ने ली क्राइम रिव्यू मीटिंग, स्मार्ट एवं तकनीक आधारित पुलिसिंग पर दिया विशेष जोर

जगदलपुर। पुलिस अधीक्षक बस्तर शलभ कुमार सिन्हा* द्वारा जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों की क्राइम रिव्यू मीटिंग आयोजित की गई। बैठक में जिले में घटित अपराधों, लंबित प्रकरणों एवं शिकायतों की विस्तृत समीक्षा करते हुए उनके शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए विवेचनाओं की गुणवत्ता में सुधार, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों के प्रभावी उपयोग तथा समयबद्ध एवं निष्पक्ष विवेचना सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा स्मार्ट पुलिसिंग, कम्युनिटी पुलिसिंग तथा तकनीक आधारित पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को सीसीटीएनएस एवं अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म का अधिकतम उपयोग करते हुए पुलिस कार्यों में पारदर्शिता, दक्षता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने तथा विभागीय, न्यायालयीन एवं अन्य वैधानिक अनुपालनों का समयबद्ध पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।बैठक में यातायात व्यवस्था की समीक्षा करते हुए सड़क सुरक्षा, यातायात नियमों के प्रभावी पालन, दुर्घटना नियंत्रण एवं जन-जागरूकता संबंधी अभियानों को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए। वर्तमान वर्षा ऋतु एवं संभावित बाढ़ की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए बाढ़ आपदा प्रबंधन एवं राहत कार्यों की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। सभी थाना प्रभारियों को संवेदनशील क्षेत्रों की सतत निगरानी, स्थानीय प्रशासन से समन्वय स्थापित करने, आपदा की स्थिति में त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराने, आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए।विविध विषयों एवं विवेचना से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जिला अभियोजन अधिकारी डीपीओ मिश्रा द्वारा अधिकारियों को आवश्यक कानूनी मार्गदर्शन प्रदान किया गया, जिससे विवेचना एवं अभियोजन की गुणवत्ता को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर, नगर पुलिस अधीक्षक सुमितकुमार धोत्रे सहित जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी एवं अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे

दो महीने तक भरवाएंगे आवेदन; फिर बिजली दफ्तरों और मुख्यमंत्री निवास का होगा घेराव - विक्रम मंडावी

बिजली दर वृद्धि और स्मार्ट मीटर के खिलाफ कांग्रेस का बड़ा ऐलान, 2 अगस्त से घर-घर पहुंचेंगे कार्यकर्ता

बीजापुर। बिजली दरों में हुए हालिया वृद्धि और स्मार्ट मीटर लगाए जाने के मुद्दे पर कांग्रेस ने प्रदेशव्यापी आंदोलन का ऐलान किया है। शनिवार को जिला कांग्रेस कमेटी की प्रेस वार्ता में विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि 2 अगस्त से कार्यकर्ता घर-घर जाकर बिजली दर वृद्धि के विरोध और स्मार्ट मीटर हटाने के लिए आवेदन भरवाएंगे। यह अभियान दो महीने तक चलेगा। इसके बाद बिजली कार्यालयों का घेराव कर आवेदन सौंपे जाएंगे और फिर मुख्यमंत्री निवास का घेराव किया जाएगा। प्रेस वार्ता में विधायक मंडावी ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार लगातार बिजली दरों में बढ़ोतरी कर आम उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रही है। उन्होंने कहा कि जुलाई से घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 30 से 50 पैसे प्रति यूनिट, गैर-घरेलू श्रेणी में 20 से 40 पैसे तथा कृषि पंपों के लिए 40 पैसे प्रति यूनिट तक बिजली दर बढ़ाई गई है। उनका दावा है कि भाजपा सरकार बनने के बाद यह पांचवीं बार बिजली दरों में वृद्धि की गई है। इसके अलावा हाल ही में 12 प्रतिशत ईंधन अधिभार भी लगाया गया है। विधायक ने कहा कि कांग्रेस की मांग है कि बिजली दरों में की गई बढ़ोतरी वापस ली जाए, 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना दोबारा लागू की जाए तथा स्मार्ट मीटर हटाए जाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटरों में खपत अधिक दर्ज होने, अनुबंध भार क्षमता बढ़ाने और उपभोक्ताओं को अधिक बिल भेजने जैसी शिकायतें सामने आ रही हैं। प्रेस वार्ता में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष लालू राठौर ने कहा कि संसद में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने अप्रैल 2026 में स्मार्ट प्रीपेड मीटर को वैकल्पिक व्यवस्था बताया था। ऐसे में यदि उपभोक्ताओं की सहमति के बिना स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं तो यह सवाल खड़ा करता है कि छत्तीसगढ़ में इसे अनिवार्य क्यों बनाया जा रहा है। उन्होंने सरकार से बिजली दरों में कमी और स्मार्ट मीटर की प्रक्रिया पर पुनर्विचार की मांग की।

कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने मांगों पर निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। प्रेस वार्ता में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुड़ियम, जिला पंचायत सदस्य नीना रावतिया उद्दे, सुखदेव नाग, ज्योति कुमार, प्रवीण डोंगरे, मनोज अवलम, जितेंद्र हेमला, संतोष गुप्ता, इदरीस खान, राजकुमार गुप्ता, गुड्डू कोरसा, बलराम कोरसा, नामपल्ली ब्रह्मचारी, लक्ष्मण कोरसा सहित कांग्रेस के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कांग्रेस के आंदोलन की रूपरेखा

2 अगस्त से घर-घर जाकर आवेदन भरवाने का अभियान।दो महीने तक चलेगा हस्ताक्षर और आवेदन संग्रह अभियान।इसके बाद बिजली दफ्तरों का घेराव कर आवेदन सौंपे जाएंगे।अगला चरण मुख्यमंत्री निवास का घेराव होगा।

प्रमुख मांगें:

बिजली दर वृद्धि वापस ली जाए।

400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना फिर लागू हो।स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए।

संदिग्ध या अवैध प्रवासियों की सूचना दें, पहचान रहेगी गोपनीय

बीजापुर पुलिस ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर, आमजन से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने में सहयोग की अपील

बीजापुर। जिले में सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए बीजापुर पुलिस ने आम नागरिकों से संदिग्ध अथवा अवैध रूप से निवास कर रहे प्रवासियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। मिली जानकारी अनुसार नागरिक अपने आसपास किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या अवैध रूप से रह रहे प्रवासी की जानकारी राज्य स्तरीय 24 घंटे संचालित टोल फ्री हेल्पलाइन 1800-233-1905 पर दे सकते हैं। इसके अलावा बीजापुर पुलिस नियंत्रण कक्ष के 07853-220155 तथा 94791-94499 नंबरों पर भी संपर्क किया जा सकता है।बीजापुर पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना बिना देर किए पुलिस तक पहुंचाएं। पुलिस का कहना है कि नागरिकों के सहयोग से जिले में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

भगवान दक्ष प्रजापति जन्मोत्सव पर आयोजित सामाजिक सम्मेलन में शामिल हुए अमर अग्रवाल

बिलासपुर। भगवान दक्ष प्रजापति जन्मोत्सव के पावन अवसर पर लाल बहादुर शास्त्री स्कूल में आयोजित सामाजिक सम्मेलन में विधायक अमर अग्रवाल शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने समाज के प्रबुद्धजनों, वरिष्ठजनों एवं सम्मानित नागरिकों से आत्मीय संवाद कर सामाजिक एकता और समरसता पर विचार साझा किए। अमर अग्रवाल ने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति उसकी एकजुटता, आपसी सद्भाव और सामूहिक प्रयासों पर निर्भर करती है। समाज की एकता, सामाजिक समरसता और विकास के लिए सभी के साथ मिलकर कार्य करने का संकल्प ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने भगवान दक्ष प्रजापति के आदर्शों को स्मरण करते हुए समाज के उत्थान और नई पीढ़ी को संस्कार एवं शिक्षा से जोड़ने पर बल दिया। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजन, पदाधिकारी, मातृशक्ति एवं बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे। सभी ने भगवान दक्ष प्रजापति के आदर्शों को अपनाते हुए समाजहित में निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

कोटा क्षेत्र में बढ़ा मलेरिया का प्रकोप, 10 दिनों में 25 मरीज मिले

बिलासपुर। जिले के कोटा क्षेत्र में मलेरिया का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले 10 दिनों में क्षेत्र में मलेरिया के 25 मरीज सामने आने से स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ गई है। स्थिति को देखते हुए विभाग ने प्रभावित गांवों में विशेष जांच अभियान शुरू किया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने छतौना, शिवतराई, औरापानी तथा केंदा गांव में जांच शिविर लगाकर 356 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की। जांच के दौरान केंदा गांव में मलेरिया के तीन नए मरीजों की पुष्टि हुई। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, संक्रमित मरीजों में से दो को गनियारी जन स्वास्थ्य केंद्र और एक मरीज को सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा बुखार से पीड़ित अन्य ग्रामीणों के भी ब्लड सैंपल जांच के लिए लिए गए हैं। कोटा विधानसभा क्षेत्र के करीब 72 गांवों को पहले से ही मलेरिया संवेदनशील घोषित किया गया है। बारिश के मौसम में इन गांवों में हर वर्ष मलेरिया के मामलों में बढ़ोतरी होती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि समय पर डीडीटी का छिड़काव और मच्छरदानियों का वितरण नहीं होने से बीमारी का खतरा और बढ़ गया है। हालांकि, बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर मैदानी अमले को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार सर्वे, जांच और उपचार के जरिए हालात को नियंत्रित करने के प्रयास में जुटी हुई है।

कुंभकार समाज का प्राचीन काल से रहा है महत्वपूर्ण योगदान : उप मुख्यमंत्री

बिलासपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव शनिवार को बिलासपुर के पंडित देवकीनंदन दीक्षित सभागार में आयोजित राजा दक्ष प्रजापति जयंती एवं सर्व कुम्हार समाज के सामाजिक सम्मेलन में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने समाज के लोगों को संबोधित करते हुए कुंभकार समाज के ऐतिहासिक योगदान और शिल्पकारों की भूमिका की सराहना की। उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि प्राचीन काल से ही कुंभकार समाज का समाज निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कारीगरों को रचना और निर्माण की विशेष कला में महारत हासिल है। विभिन्न पुरातात्विक स्थलों की खुदाई में मिले मिट्टी के बर्तन इस बात का प्रमाण हैं कि ऐतिहासिक सभ्यताओं में भी कुंभकारों का विशेष स्थान रहा है। उन्होंने कहा कि आज भी सामाजिक रीति-रिवाजों में कुंभकार समाज की महत्वपूर्ण भूमिका है। जीवन के सुख-दुख के अवसरों पर मिट्टी के बर्तनों का उपयोग होता है। समय के साथ समाज अपनी मेहनत, कौशल और प्रतिभा के बल पर लगातार आगे बढ़ रहा है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने शिल्पकारों और कारीगरों के उत्थान के लिए पीएम विश्वकर्मा योजना शुरू की है। वहीं छत्तीसगढ़ सरकार ने भी माटीकला बोर्ड का गठन किया है, जिससे शिल्पकारों को आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का लाभ लेकर कुम्हार एवं शिल्पकार समाज आर्थिक रूप से मजबूत हो रहा है। कारीगरों के योगदान से ही समाज, प्रदेश और देश की प्रगति संभव है। अरुण साव ने कहा कि आधुनिक दौर में एक बार फिर मिट्टी के बर्तनों का उपयोग बढ़ रहा है। मिट्टी के उत्पादों को आधुनिक स्वरूप देकर बड़े होटलों और बाजारों तक पहुंचाया जा रहा है। ऑनलाइन ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर भी मिट्टी के बर्तनों की मांग बढ़ी है, जिससे कारीगरों को नए अवसर मिल रहे हैं। कार्यक्रम में वरिष्ठ विधायक धरमलाल कौशिक, विधायक अमर अग्रवाल, विधायक धर्मजीत सिंह, विधायक सुशांत शुक्ला, छत्तीसगढ़ माटीकला बोर्ड के अध्यक्ष शंभूनाथ चक्रवर्ती, समाज अध्यक्ष किशन प्रजापति, महापौर पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, भाजपा शहर जिला अध्यक्ष दीपक सिंह सहित सामाजिक पदाधिकारी और बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री के वर्चुअल संबोधन से जुड़े लाखों युवा

नशे के खिलाफ युवा बनें जनआंदोलन का नेतृत्वकर्ता-उप मुख्यमंत्री

■ गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में नशा मुक्त युवा विकसित भारत 2.0 अभियान का भव्य आयोजन,

बिलासपुर। नशा मुक्त भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से गुरु घासीदास विश्वविद्यालय एवं माय भारत , युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को विश्वविद्यालय के रजत जयंती सभागार में नशा मुक्त युवा विकसित भारत 2.0 अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के राष्ट्रव्यापी वर्चुअल संबोधन का प्रसारण किया गया, जिसमें युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए नशामुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लिया। जिला स्तरीय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब हमारा युवा नशे से मुक्त, स्वस्थ, अनुशासित और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित होगा। नशा केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। आज प्रत्येक युवा को नशा मुक्त भारत अभियान का ब्रांड एंबेसडर बनकर अपने गांव, शहर और शिक्षण संस्थानों में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय ज्ञान के साथ-साथ सामाजिक परिवर्तन का भी केंद्र है। विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच, नैतिक मूल्यों एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास ही वास्तविक शिक्षा है। नशा मुक्त युवा विकसित भारत अभियान युवाओं को राष्ट्र के प्रति उनके दायित्वों का बोध कराने वाला महत्वपूर्ण अभियान है।बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी पूंजी है। यदि युवा नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा शिक्षा, नवाचार, खेल और समाज सेवा में लगाएंगे तो विकसित भारत का लक्ष्य निश्चित रूप से प्राप्त होगा। प्रत्येक युवा को इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक , रैली एवं रक्तदान शिविर का विशेष आयोजन किया गया।कार्यक्रम में बिलासपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती पूजा विधानी जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल,नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश सर्वे, विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. ए.के. दीक्षित,माय भारत के उप निदेशक नितिन शर्मा सहित विश्वविद्यालय परिवार, प्रशासनिक अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर राजेंद्र मेहता ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र छात्राएं,माय भारत स्वयंसेवकों, माय भारत यूथ क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना (हस्स)राष्ट्रीय कैडेट कोर (हष्टष्ट)भारत स्काउट्स एवं गाइड्स स्काउट-गाइड खेल एवं युवा कल्याण विभाग खेलो इंडिया विभिन्न महाविद्यालयों, से लगभग एक हजार युवाओं ने सहभागिता की । कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने नशा मुक्ति की शपथ ली तथा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प दोहराया। आयोजन में युवाओं को नशे के दुष्परिणामों, स्वस्थ जीवनशैली एवं राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका के प्रति प्रेरित किया गया।

एसईसीएल मुख्यालय के 5 कर्मियों के सेवानिवृत्त पर भावभीनी विदाई दी गयी

बिलासपुर। 31.07.2026 को एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर से सेवानिवृत्त हुए 05 कर्मियों को मुख्यालय बिलासपुर स्थित सीएमडी कक्ष में उन्हें शाल, श्रीफल, पुष्पहार से सम्मानित कर समस्त भुगतान का चेक प्रदान कर भावभीनी विदाई दी गयी। मुख्यालय प्रशासनिक भवन के कान्फ्रेन्स हाल में निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री एन फ्रैंकलिन जयकुमार के मुख्य आतिथ्य, निदेशक (वित्त) श्री डी सुनील कुमार निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना) श्री रमेश चन्द्र महापात्र, विभिन्न विभागाध्यक्षों, श्रमसंघ प्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति में श्री प्रसन्न कुमार निगम, मुख्य प्रबंधक (खनन), योजना-परियोजना विभाग , श्री सनत कुमार तिवारी, मुख्य प्रबंधक (खनन), खान सुरक्षा एवं बचाव विभाग , श्री राकेश कुमार सरकार, कार्यालय अधीक्षक (ए-1), कंपनी सचिव सचिवालय, श्री सुर्यकांत पाण्डेय, कार्यालय अधीक्षक, केंद्रीय आवक-जावक विभाग, श्री रामजी पाण्डेय, सहायक सुरक्षा उप निरीक्षक, सुरक्षा विभाग को सेवानिवृत्ति पर विदाई दी गयी। इस अवसर पर शीर्ष प्रबंधन ने अपने-अपने उद्बोधन में कहा कि सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी-कर्मचारी के योगदान, कार्यकौशल से ही कम्पनी सफलता के मुकाम पर पहुँची है। सेवानिवृत्त कर्मियों के योगदान को सदैव स्मरण किया जाएगा। अंत में उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मियों के सपरिवार उज्जवल भविष्य की ईश्वर से कामना की। सेवानिवृत्त अधिकारियों-कर्मचारियों ने कम्पनी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि यहां के कर्मचारियों में कार्य के प्रति बहुत ही निष्ठा है। यहाँ के अधिकारी-कर्मचारी कंधे से कंधा मिलाकर साथ में कार्य करते हैं।

बिलासपुर स्टेशन में प्रेमचंद जी की 146 वीं जयंती मनाई गई

बिलासपुर। अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक(परिचालन) श्री के.श्रीनिवास की अध्यक्षता, मुख्य स्टेशन प्रबंधक, बिलासपुर स्टेशन श्री आशुतोष कुमार ठाकुर एवं मुख्य करू कंट्रोलर, बिलासपुर श्री पी.नागेश्वरर राव की उपस्थिति में उपन्यास सम्राट प्रेमचंद जी की 146 वीं जयंती मनाई गई । इस अवसर पर बिलासपुर स्टेशन परिसर स्थित कार्यालय में कार्यरत कर्मचारीगण उपस्थित थे । सर्वप्रथम अध्यक्ष एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी ने पारंपरिक दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया । तत्पश्चात प्रेमचंद जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया गया । उपस्थित कर्मचारियों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए । इस अवसर पर श्रीमती विद्यावती कुमारी,कनिष्ठ लिपिक,मुख्य यार्ड मास्टर कार्यालय,बिलासपुर ने प्रेमचंद जी के जीवन अनछुए पहलुओं पर सँक्षिप्त प्रकाश डाला । मुख्य करू कंट्रोलर,बिलासपुर श्री पी.नागेश्व र राव ने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण है। प्रेमचंद जी ने साहित्य को केवल मनोरंजन का साधन नहीं माना, बल्कि उसे समाज परिवर्तन का सशक्त माध्यम बनाया । उन्होंने अपनी लेखनी के माध्यम से यथार्थ को धरातल पर लाने का प्रयास किया । अध्यक्ष, बिलासपुर स्टेशन राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं मुख्य स्टेशन प्रबंधक ने कहा कि वर्तमान समय में भी प्रेमचंद प्रासंगिक हैं । उनकी रचनाएं कालजयी है । उनकी दूरदर्शिता ने समाज को आइना दिखाया है । प्रेमचंद जैसे महान साहित्यकार की जयंती मनाना उस युगद्रष्टा चिंतक को याद करने का है जिसने अपनी लेखनी को समाज की पीड़ा की आवाज़ बनाया ।

विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर उप मंडल रेलवे अस्पताल शहडोल में स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम.....

बिलासपुर। विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के उपमंडल रेलवे अस्पताल, शहडोल में प्रजनन आयु वर्ग (15-49 वर्ष) की महिलाओं के लिए स्तनपान के महत्व पर स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा महिलाओं को स्तनपान से जुड़े वैज्ञानिक तथ्यों से अवगत कराना था। कार्यक्रम में डॉ. अरुणा ने महिलाओं को संबोधित करते हुए बताया कि शिशु के जन्म के तुरंत बाद स्तनपान प्रारंभ करना उसके बेहतर स्वास्थ्य, रोग प्रतिरोधक क्षमता और समुचित विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जन्म से लेकर पहले छह माह तक शिशु को केवल माँ का दूध (अनन्य स्तनपान) ही दिया जाना चाहिए, क्योंकि यही उसके लिए संपूर्ण एवं सर्वोत्तम आहार है। उन्होंने सही स्तनपान तकनीक, माँ एवं शिशु दोनों के लिए स्तनपान के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य लाभ, संक्रमण से सुरक्षा तथा शिशु के समुचित पोषण से जुड़े विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी भी दी । साथ ही माताओं को यह भी बताया गया कि नियमित एवं सही तरीके से स्तनपान कराने से माँ के स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपने प्रश्न पूछे, जिनका सरल एवं वैज्ञानिक तरीके से समाधान किया गया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा इस प्रकार के स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों का नियमित आयोजन किया जा रहा है, जिससे रेलकर्मियों एवं उनके परिवारों के स्वास्थ्य, पोषण और समग्र कल्याण को बढ़ावा मिल सके।

यात्रियों की सुरक्षा और सेवा में सदैव अग्रणी आरपीएफ बिलासपुर

■ सेवा ही संकल्प' के मूलमंत्र के साथ यात्रियों की सुरक्षा एवं सहायता के लिए 24म7 तत्पर रेलवे सुरक्षा बल

बिलासपुर। रेल यात्रा को सुरक्षित, सुगम एवं विश्वासपूर्ण बनाने के उद्देश्य से रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) बिलासपुर मंडल निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहा है। यात्रियों की सुरक्षा, महिला एवं बच्चों की सहायता, रेल संपत्ति की सुरक्षा तथा अपराधों की रोकथाम के लिए आरपीएफ के जवान चौबीसों घंटे स्टेशन परिसरों एवं ट्रेनों में सतर्कता के साथ अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। आरपीएफ बिलासपुर द्वारा स्टेशन प्लेटफॉर्म एवं रेलवे परिसर में नियमित गश्त, ट्रेनों में एस्कॉर्ट ड्यूटी तथा संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। आवश्यकता पड़ने पर यात्रियों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके साथ ही यात्रियों के खोए अथवा छूटे सामान को सुरक्षित खोजकर उसके वास्तविक स्वामी तक पहुँचाने की कार्यवाही भी निरंतर की जा रही है। बिलासपुर मंडल में वर्ष 2026 में जुलाई माह तक यात्रियों की सुरक्षा एवं सहायता के लिए संचालित विभिन्न अभियानों के अंतर्गत उल्लेखनीय उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं— ऑपरेशन जीवन रक्षा: चलती ट्रेन में चढ़ने अथवा उतरने के दौरान दुर्घटना का शिकार होने वाले 12 यात्रियों का समय रहते जीवन बचाया गया। ऑपरेशन डिग्निटी: यात्रा के दौरान अचानक अस्वस्थ हुए 07 यात्रियों को तत्काल आवश्यक चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई गई। ऑपरेशन अमानत: 334 यात्रियों के छूटे हुए 54 लाख रुपये से अधिक मूल्य के सामान को सुरक्षित बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को लौटाया गया। ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते: स्टेशन परिसर से 114 नाबालिगों (63 बालक एवं 51 बालिकाएँ) को सुरक्षित रेस्क्यू कर बाल कल्याण संस्थाओं/ चाइल्ड लाइन के सुपुर्द किया गया। ऑपरेशन यात्री सुरक्षा: ट्रेनों में यात्रियों के सामान की चोरी एवं अन्य अपराधों में संलिप्त 80 आरोपियों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की गई। इसके अतिरिक्त रेल मदद के माध्यम से प्राप्त शिकायतों पर आरपीएफ द्वारा त्वरित संज्ञान लेते हुए यात्रियों को आवश्यक सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

30 वर्षों की गौरवपूर्ण रेल सेवा उपरांत जनसंपर्क अधिकारी श्री रामजी लाल मीना सेवानिवृत्त हुए...

■ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय में आयोजित विदाई समारोह में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दी भावभीनी विदाई

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, मुख्यालय बिलासपुर में पदस्थ जनसंपर्क अधिकारी श्री रामजी लाल मीना आज लगभग 30 वर्षों की गौरवपूर्ण एवं समर्पित रेल सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर जनसंपर्क कार्यालय, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय, बिलासपुर में एक गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें भावभीनी विदाई देते हुए उनके उल्लेखनीय योगदान को याद किया। समारोह में प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी श्रीमती दर्शनीता बोरा अहलूवालिया ने श्री मीना के दीर्घ एवं उत्कृष्ट सेवाकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी कार्यकुशलता, समर्पण एवं सकारात्मक कार्यशैली से संगठन की गरिमा को सदैव बढ़ाया। उन्होंने श्री मीना के स्वस्थ, सुखद एवं सक्रिय सेवानिवृत्त जीवन की मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं। इस अवसर पर मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शेख समी उर रहमान ने कहा कि श्री मीना ने अपने दायित्वों का सदैव निष्ठा, ईमानदारी एवं पूर्ण समर्पण के साथ निर्वहन किया। जनसंपर्क विभाग में उनकी कार्यशैली, सरल स्वभाव तथा टीम भावना सभी के लिए प्रेरणादायी रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सेवानिवृत्ति के पश्चात भी उनका अनुभव समाज एवं संगठन के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा। वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी श्री संतोष कुमार ने कहा कि श्री मीना ने अपने लंबे सेवाकाल में विभाग की विभिन्न जनसंपर्क गतिविधियों तथा रेलवे की उपलब्धियों के प्रभावी प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका अनुभव, सौहार्दपूर्ण व्यवहार एवं सहयोगात्मक दृष्टिकोण सदैव विभाग की कार्यसंस्कृति को सुदृढ़ करता रहा। अपने संबोधन में श्री रामजी लाल मीना ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में मिले स्नेह, सहयोग एवं विश्वास के लिए सभी अधिकारियों एवं सहकर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा अपने सेवाकाल के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि रेलवे परिवार के साथ बिताए गए वर्ष उनके जीवन की अमूल्य धरोहर रहेंगे। समारोह के अंत में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा श्री रामजी लाल मीना को स्मृति-चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया तथा उनके सुखमय, स्वस्थ एवं आनंदमय सेवानिवृत्त जीवन की मंगलकामनाएँ व्यक्त की गईं।

भगवान शिव को समर्पित सावन का पहला सोमवार

भगवान शिव को समर्पित सावन का महीना शुरू हो चुका है। इस पूरे महीने में पड़ने वाले सोमवार का विशेष महत्व माना जाता है। मान्यता है कि सावन सोमवार का व्रत रखने और विधि-विधान से शिव पूजा करने से भगवान भोलेनाथ की कृपा प्राप्त होती है। अविवाहित लोगों को मनचाहा जीवनसाथी मिलने और विवाहित लोगों के दांपत्य जीवन में सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है। उत्तर भारत के पूर्णिमांत पंचांग के अनुसार इस साल सावन का पहला सोमवार 3 अगस्त 2026 को पड़ रहा है। ऐसे में शिव भक्त पहले सावन सोमवार की तैयारियों में जुट गए हैं।

सावन के पहले सोमवार का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सावन का महीना भगवान शिव का सबसे प्रिय महीना माना जाता है। इस दौरान की गई पूजा, जप, तप और व्रत का कई गुना फल मिलता है। खास्तौर पर सोमवार के दिन शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र, धतूरा और भांग अर्पित कर भगवान शिव की पूजा की जाती है। माना जाता है कि ऐसा करने से जीवन की बाधाएं दूर होती हैं और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

सावन के सोमवार कब-कब हैं?

उत्तर भारत में इस वर्ष सावन के सोमवार 3 अगस्त, 10 अगस्त, 17 अगस्त और 24 अगस्त को पड़ेंगे। इन सभी दिनों में शिव मंदिरों में विशेष पूजा और जलाभिषेक का आयोजन किया जाएगा।

कैसे करें पहले सावन सोमवार की पूजा?

पहले सावन सोमवार के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ वस्त्र धारण करें। इसके बाद मंदिर या घर में स्थापित शिवलिंग का गंगाजल से अभिषेक करें। फिर जल, दूध, दही, शहद और घी से रुद्राभिषेक करें। भगवान शिव को बेलपत्र, धतूरा, आक के फूल, सफेद चंदन और मौसमी फल अर्पित करें। पूजा के दौरान "ॐ नमः शिवाय" मंत्र का जाप करें और अंत में शिव आरती करके प्रसाद बांटें।

सावन सोमवार व्रत का फल

मान्यता है कि सावन सोमवार का व्रत रखने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं। इससे वैवाहिक जीवन में मधुरता आती है, करियर और कारोबार में आने वाली रुकावटें दूर होती हैं और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। कई श्रद्धालु पूरे दिन व्रत रखकर शाम को पूजा के बाद फलाहार करते हैं।

सावन से पहले ऐसे साफ करें पूजा के पीतल और तांबे के बर्तन

सावन का महीना शुरू होते ही घरों में पूजा-पाठ का माहौल बन जाता है। इस दौरान कई लोग भगवान की पूजा के लिए पीतल और तांबे के बर्तनों का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन लंबे समय तक रखे रहने या नमी के कारण इन बर्तनों पर कालापन और दाग जम जाते हैं, जिससे उनकी चमक फीकी पड़ जाती है। ऐसे में बाजार से महंगे क्लीनर खरीदने की जरूरत नहीं है। घर में मौजूद कुछ आसान चीजों की मदद से आप पीतल और तांबे के बर्तनों को फिर से चमका सकते हैं।

नींबू और नमक से करें सफाई

पीतल और तांबे के बर्तनों की सफाई के लिए नींबू और नमक सबसे आसान और असरदार उपाय माना जाता है। एक नींबू को बीच से काट लें और उस पर थोड़ा-सा नमक लगा दें। अब इसे बर्तन पर हल्के हाथों से रगड़ें। 5 से 10 मिनट बाद पानी से धोकर सूखे कपड़े से पोंछ दें। इससे जमे हुए दाग और कालापन काफी हद तक साफ हो जाता है।

बेकिंग सोडा और नींबू का पेस्ट :

बेकिंग सोडा और नींबू का मिश्रण भी पीतल और तांबे के बर्तनों की सफाई में कारगर माना जाता है। दोनों को मिलाकर पेस्ट तैयार करें और बर्तन पर लगाएं। 10 मिनट बाद मुलायम स्पंज से रगड़कर धो लें। इससे बर्तनों की चमक वापस आने में मदद मिल सकती है।

इमली के गूदे का करें इस्तेमाल

अगर बर्तन पर पुराने और जिद्दी दाग हैं, तो इमली का गूदा भी मददगार साबित हो सकता है। इमली को थोड़ी देर पानी में भिगोकर उसका गूदा निकाल लें और इसे बर्तनों पर लगाकर कुछ मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद मुलायम स्क्रबर से हल्के हाथों से साफ करें और पानी से धो लें।

सिरका और नमक का घोल

अगर तांबे के बर्तन ज्यादा काले पड़ गए हैं, तो सिरका और नमक का घोल इस्तेमाल किया जा सकता है। दोनों को मिलाकर बर्तन पर लगाएं और कुछ मिनट बाद हल्के हाथों से रगड़ें। फिर साफ पानी से धोकर तुरंत सूखे कपड़े से पोंछ दें। इससे दाग हटने और चमक लौटने में मदद मिलती है।

बेसन और दही से भी आएगी चमक

अगर आप केमिकल-फ्री तरीका अपनाना चाहते हैं, तो बेसन और दही का गाढ़ा पेस्ट बनाकर बर्तनों पर लगाएं। 10 से 15 मिनट बाद हल्के हाथों से रगड़ते हुए साफ करें। यह तरीका बर्तनों की गंदगी हटाने के साथ उनकी नेचुरल चमक बनाए रखने में भी मदद करता है।

शिव पूजा की थाली तैयार करना महत्वपूर्ण

भगवान शिव की उपासना का सबसे पावन महीना श्रावण (सावन) 30 जुलाई से शुरू हो चुका है। इस वर्ष सावन का पहला सोमवार 3 अगस्त 2026 को पड़ रहा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सावन सोमवार का व्रत रखकर विधि-विधान से भगवान भोलेनाथ की पूजा करने और रुद्राभिषेक करने से मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। यदि आप भी पहले सावन सोमवार पर शिवजी की पूजा करने जा रहे हैं, तो पूजा की थाली तैयार करते समय कुछ आवश्यक सामग्रियां अवश्य शामिल करें। शास्त्रों के अनुसार, इन वस्तुओं के बिना भगवान शिव की पूजा अधूरी मानी जाती है।

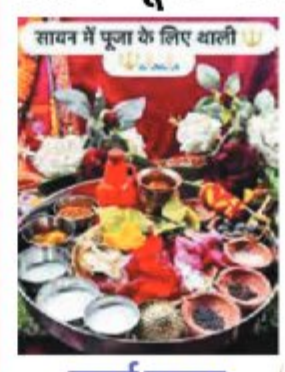

मुहूर्त समय

ब्रह्म मुहूर्त सुबह 04:19 बजे से 05:01 बजे तक
अभिजित मुहूर्त: दोपहर 12:00 बजे से 12:54 बजे तक
प्रदोष काल: सूर्यास्त के आसपास

सावन सोमवार पूजा थाली सामग्री

भगवान भोलेनाथ भाव के भूखे हैं और सच्ची श्रद्धा से की गई सरल पूजा से भी शीघ्र प्रसन्न हो जाते हैं। फिर भी शास्त्रों के अनुसार, पूजा की थाली में निम्नलिखित सामग्री अवश्य होनी चाहिए।

बेलपत्र: महादेव को बेलपत्र अत्यंत प्रिय है। ध्यान रखें कि बेलपत्र कहीं से भी कटे-फटे न हों और हमेशा तीन पत्तियों वाला अखंडित बेलपत्र ही अर्पित करें।

गंगाजल और कच्चा दूध: शिवलिंग के जलाभिषेक के लिए साफ पात्र या लोटे में गंगाजल और कच्चा दूध रखें।

धतूरा, भांग और आक के फूल: भगवान शिव को धतूरा, भांग और आक (मदार) के सफेद फूल अर्पित करना अत्यंत शुभ माना जाता है।

सफेद चंदन या भस्म: भगवान शिव को सफेद चंदन का लेप प्रिय है। पूजा की थाली में शुद्ध सफेद चंदन या भस्म अवश्य रखें।

अक्षत: पूजा में चढ़ाए जाने वाले चावल पूरी तरह साबुत होने चाहिए। टूटे हुए (खंडित) चावलों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

शहद, दही और देसी घी: पंचामृत बनाने या शिवलिंग पर अर्पित करने के लिए शहद, दही और शुद्ध देसी घी भी पूजा की थाली में रखें।

धूप, दीप और कपूर: पूजा के लिए देसी घी का दीपक, धूपबत्ती, कपूर और मौसमी फल प्रसाद के रूप में अवश्य शामिल करें।

आज का राशिफल

मेष राशि - आज किस्मत आपको एक बड़ा संकेत दे रही है। प्रॉपर्टी से जुड़ा अटका काम अचानक सुलझ सकता है और समाज में आपकी पहचान चमक सकती है। लेकिन प्रेम में थोड़ी सावधानी जरूरी है, साथी को नजरअंदाज किया तो दूरी बढ़ सकती है। मां की सेहत चिंता दे सकती है, भागदौड़ बढ़ेगी। इच्छा पूरी होगी, पर मन फिर भी कुछ अधूरा महसूस करेगा।

वृषभ राशि - आज का दिन आपके लिए मौके लेकर आया है। कोई नई खरीदारी दिल खुश कर देगी और परिवार में रिश्ते पहले से मजबूत होंगे। घर में नई शुरुआत, चाहे वाहन हो या मरम्मत शुभ संकेत दे रही है। लंबे समय से अटकी डील फाइनल हो सकती है। लेकिन सेहत को हल्के में लिया तो परेशानी बढ़ सकती है।

मिथुन राशि - भागदौड़ भरा दिन है। लेकिन राहत की बात है कि, मदद खुद चलकर आएगी। खर्चों पर कंट्रोल रखना जरूरी है, नहीं तो बजट बिगड़ सकता है। अपने काम खुद करें, दूसरों पर भरोसा भारी पड़ सकता है। बच्चों पर नजर रखें, उनकी दिशा सही रखना आपकी जिम्मेदारी है। सरकारी काम में जल्दबाजी नहीं, सोच-समझकर कदम बढ़ाएं।

कर्क राशि - आज का दिन परीक्षा ले सकता है, लेकिन आप संभाल लेंगे। काम में फोकस बढ़ेगा और बॉस की नजर में आपकी वैल्यू भी। दिल में सहयोग की भावना रहेगी, जो आपको आगे बढ़ाएगी। छोटी-छोटी बातों का तनाव रहेगा, लेकिन परिवार के विवादों से राहत मिलेगी। लाइफस्टाइल में पॉजिटिव बदलाव दिखेगा।

सिंह राशि - आज आत्मविश्वास आपका सबसे बड़ा हथियार है। लेकिन मन में चल रही उलझनें आपको थोड़ा परेशान कर सकती हैं। प्लानिंग के साथ काम करेंगे तो जीत आपकी होगी। सेहत, खासकर शुगर और बीपी को नजरअंदाज ना करें। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन खास है, मनचाहा रिजल्ट मिल सकता है।

कन्या राशि - आज सेहत पर बिल्कुल भी लापरवाही न करें। पेट से जुड़ी परेशानी आपको परेशान कर सकती है। नौकरी की तलाश खत्म हो सकती है। किसी भी काम में जल्दबाजी नुकसान दे सकती है। अपने राज किसी से शेयर ना करें, कोई फायदा उठा सकता है। फोकस बनाए रखेंगे तो रास्ता खुद बन जाएगा।

तुला राशि- सुबह की शुरुआत ही खुशखबरी लेकर आएगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और घर का माहौल खुशनुमा रहेगा। पुराने झगड़े खत्म होंगे और काम की रफ्तार तेज होगी। जिम्मेदारियों को समय पर निभाकर आप सबका दिल जीत लेंगे। प्रमोशन की बात भी आगे बढ़ सकती है।

वृश्चिक राशि - आज धैर्य ही आपकी असली ताकत है। मीठी वाणी से आप हर मुश्किल आसान कर सकते हैं। प्रॉपर्टी मामले में भाइयों से बात आगे बढ़ेगी। विद्यार्थियों के लिए सफलता के दरवाजे खुल सकते हैं, स्कॉलरशिप तक मिल सकती है। लेकिन वाहन चलाते समय सावधानी जरूरी है, वरना परेशानी हो सकती है।

धनु राशि- आज रिश्तों में पारदर्शिता जरूरी है। जीवनसाथी से कुछ भी छुपाना भारी पड़ सकता है। डूबा हुआ पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। राजनीति या नए काम में हाथ आजमाने का मन बनेगा। बिजनेस में ग्रोथ दिखेगी और पेंडिंग काम पूरे होंगे। पिता से बहस से बचें, नहीं तो बात बिगड़ सकती है।

मकर राशि - आज नौकरी वालों के लिए खुशखबरी है। नया पद या प्रमोशन मिल सकता है। लक्ष्य पर फोकस रखेंगे तो सफलता तय है। प्लानिंग के साथ काम करेंगे तो हर काम समय पर पूरा होगा। लेकिन सेहत को नजरअंदाज किया तो बड़ी समस्या बन सकती है। दिनचर्या सुधारेंगे तो लाइफ बैलेंस में आ जाएगी।

कुंभ राशि- आज का दिन आपको मुस्कुराने की वजह देगा। समस्याओं का हल मिलेगा और आर्थिक स्थिति सुधरेगी। नौकरी की तलाश खत्म हो सकती है। कोई अच्छी खबर मिलेगी। नया वाहन लेने का सपना भी पूरा हो सकता है। कुल मिलाकर आज फायदा ही फायदा आपको हो सकता है।

मीन राशि- आज थोड़ा संभलकर चलना होगा। खर्चे बढ़ सकते हैं, इसलिए कंट्रोल जरूरी है। आपके काम आपको नई पहचान दिलाएंगे। बच्चे आपकी तरफ उम्मीद भरी नजरों से देखेंगे। अनजान लोगों की बातों में आकर फैसला लेना नुकसान दे सकता है। लेकिन एक शुभ समाचार आपका दिन बना देगा।

बारिश के मौसम में कौन सा तेल लगाएं

बारिश के मौसम में हवा में नमी यानी ह्यूमिडिटी काफी बढ़ जाती है। इस वजह से स्कैल्प पर चिपचिपाहट, डैंड्रफ, फंगल इंफेक्शन और बाल झड़ने की समस्या आम हो जाती है। ऐसे में बालों को एक्सट्रा केयर की जरूरत होती है। बालों में तेल लगाकर इसकी देखभाल की जा सकती है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि मानसून में बालों पर कौन सा तेल लगाना चाहिए ताकि बाल मजबूत और चमकदार बने रहें। अगर आप भी इस सवाल का जवाब ढूंढ रहे हैं तो घबराने की जरूरत नहीं है। यहां हम आपको बताने जा रहे हैं कि बारिश के मौसम में कौन सा तेल लगाना चाहिए।

1. टी ट्री ऑयल के साथ नारियल तेल

नारियल का तेल हल्का होता है और बालों की जड़ों में गहराई तक समा जाता है। लेकिन बारिश में सिर्फ नारियल तेल लगाने के बजाय इसमें 2-3 बूंदें टी ट्री एसेंशियल ऑयल की मिला लें। टी ट्री ऑयल में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुण होते हैं, जो बारिश में होने वाले डैंड्रफ और स्कैल्प इंफेक्शन से बचाते हैं।

2. नीम का तेल

अगर मानसून में आपके सिर में खुजली, छोटे-छोटे दाने या जिद्दी डैंड्रफ की समस्या होती है, तो नीम का तेल रामबाण इलाज है। नीम में मौजूद औषधीय गुण स्कैल्प को साफ रखते हैं। इसे हमेशा बादाम या नारियल तेल में मिलाकर लगाना चाहिए।

3. जोजोबा ऑयल

जोजोबा ऑयल की बनावट हमारे स्कैल्प से निकलने वाले प्राकृतिक तेल जैसी ही होती है। यह बहुत हल्का और नॉन-ग्रीसी होता है। यह बालों को बिना चिपचिपा बनाए गहराई से पोषण देता है और मॉइस्चर को लॉक करता है। फ्रिजी और उलझे बालों के लिए यह सबसे बेहतरीन ऑप्शन है।

4. बादाम का तेल

विटामिन ई से भरपूर बादाम का तेल हल्का होता है और बालों को चिपचिपा नहीं बनाता। यह कमजोर और बेजान बालों को मजबूती देता है और बारिश के मौसम में बाल टूटने की समस्या को कम करता है।

मानसून में तेल लगाने का सही तरीका

हल्का गुनगुना करें : तेल को थोड़ा सा गुनगुना करके ही लगाएं, इससे सिर का ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है।

कम समय के लिए लगाएं : बारिश में रात भर तेल लगाकर न छोड़ें। शैम्पू करने से 1 से 2 घंटे पहले ही तेल लगाएं। रात भर तेल छोड़ने से धूल और नमी चिपक सकती है, जिससे डैंड्रफ बढ़ता है।

हल्के हाथों से मसाज करें : ज्यादा तेजी से मालिश करने के बजाय उंगलियों के पोरों से हल्की मसाज करें, क्योंकि इस मौसम में बाल पहले से कमजोर होते हैं।

आटा सही, तेल भी गर्म, फिर भी क्यों नहीं फूलती पूड़ी?

घर में बनी गरमा-गरम फूली हुई पूड़ी खाने का मजा ही अलग होता है। लेकिन कई बार सही आटा गूंथने के बाद भी पूड़ी तलते समय नहीं फूलती। ऐसे में लोग अक्सर आटे को दोष देते हैं, जबकि कई बार गलती पूड़ी बेलने के तरीके में होती है। अगर आप भी चाहते हैं कि हर बार पूड़ी अच्छी तरह फूले, तो इन आसान बातों का ध्यान रखें।

पूड़ी बहुत पतली न बेलें

कई लोग पूड़ी को रोटी की तरह पतला बेल देते हैं। इससे पूड़ी तलते समय अच्छी तरह नहीं फूल पाती। पूड़ी की मोटाई न ज्यादा पतली हो और न ज्यादा मोटी। साथ ही, उसकी मोटाई हर तरफ बराबर होनी चाहिए।

बेलते समय बराबर दबाव रखें

अगर बेलन का दबाव एक तरफ ज्यादा पड़ता है, तो पूड़ी की मोटाई समान नहीं रहती। इससे वह कढ़ाही में डालने के बाद ठीक से नहीं फूलती। पूड़ी को हल्के हाथ से बेलें और बीच-बीच में घुमाते रहें।

ज्यादा सूखा आटा लगाने से बचें

पूड़ी बेलते समय बहुत ज्यादा सूखा आटा लगाने से वह तलते समय तेल में गिरकर जल सकता है। इससे तेल भी जल्दी खराब हो जाता है। अगर जरूरत हो, तो बेलने वाली सतह पर थोड़ा-सा तेल लगा सकते हैं।

आटा थोड़ा सख्त गूंथें

पूड़ी के लिए आटा रोटी के मुकाबले थोड़ा सख्त होना चाहिए। बहुत नरम आटा होने पर पूड़ी फैल जाती है और ठीक से नहीं फूलती। पानी थोड़ा-थोड़ा डालकर आटा गूंथें और कुछ देर ढककर रख दें।

बेली हुई पूड़ियों को खुला न रखें

अगर पहले से कई पूड़ियां बेल रहे हैं, तो उन्हें खुला छोड़ने की बजाय साफ कपड़े से ढक दें। ज्यादा देर तक खुला रहने पर उनकी ऊपरी सतह सूख सकती है, जिससे पूड़ी अच्छी तरह नहीं फूलती।

तेल सही गर्म होना चाहिए

पूड़ी हमेशा अच्छी तरह गर्म तेल में डालें। अगर तेल कम गर्म होगा, तो पूड़ी ज्यादा तेल सोखेगी और फूलने में भी दिक्कत होगी। वहीं, बहुत ज्यादा गर्म तेल में पूड़ी बाहर से जल्दी जल सकती है।

कढ़ाही में डालते ही हल्का दबाएं

पूड़ी को तेल में डालने के बाद कलछी से हल्का-सा दबाने पर वह जल्दी फूल सकती है। पूड़ी फूलने के बाद उसे पलटकर दूसरी तरफ से भी अच्छी तरह तल लें।

अगर आपकी पूड़ी हर बार नहीं फूलती, तो सिर्फ आटे को जिम्मेदार न मानें। सही मोटाई, बराबर बेलना, सख्त आटा और सही तापमान का तेल जैसी छोटी-छोटी बातें ध्यान में रखकर आप घर पर भी आसानी से फूली और स्वादिष्ट पूड़ियां बना सकते हैं।

एसिडिटी की समस्या को हलके में न लें

अगर आपको लगातार गैस या एसिडिटी हो रही है तो अपनी सेहत को लेकर सावधान हो जाना चाहिए। कई बार भारी और मसालेदार खाना खाने के बाद अक्सर लोगों को गैस या बदहजमी होती है। लेकिन अगर आपको गैस या एसिडिटी हर दिन हो रही है तो इसे नार्मल न समझें। किन वजहों से लगातार आपको गैस, ब्लोटिंग या एसिडिटी का सामना करना पड़ सकता है?

किन वजहों से होती है ब्लोटिंग या एसिडिटी की परेशानी

गैस्ट्रिक फूड्स का सेवन : अगर आपको रोजाना गैस और एसिडिटी हो रही है तो इसके पीछे आपका खानपान मुख्य रूप से जिम्मेदार हप्ता है। ऐसे में ध्यान दें कि आप ऐसा क्या खाते हैं जिससे आपको गैस और एसिडिटी हो रही है। कई बार राजमा, पत्ता गोभी, फूलगोभी और ब्रोकली भी गैस और एसिडिटी की वजह बनती है। फ्राइड, ऑयली फूड्स और कोल्डड्रिंक्स भी आपके पेट में गैस बनाने का काम करते हैं।

प्युअर ईटिंग हैबिट्स : अगर आप बहुत जल्दी जल्दी खाना खाते हैं, या खाना खाते समय बहुत ज्यादा बोलते हैं या एक साथ बहुत खाना खा लेते हैं या आधी रात को खाना खा रहे हैं तो ये आदतें आपकी पाचन तंत्र को कमजोर करती हैं जिससे आपको गैस, ब्लोटिंग और एसिडिटी की समस्या हो सकती है।

खराब गट हेल्थ : जब आप अपनी डाइट का ध्यान नहीं रखते हैं और जंक, पैकेज्ड फूड्स और शुगरी फूड्स खूब खाते हैं इस वजह से अक्सर गट हेल्थ खराब होने लगती है। आंतों में गुड और बैड बैक्टीरिया दोनों होते हैं। लेकिन खराब खानपान और कुछ खराब आदतें गुड बैक्टीरिया को खत्म करने लगते हैं जिससे पाचन तंत्र कमजोर होने लगता है। इस वजह से खाना नहीं पचता है नतीजन, पेट में गैस और एसिडिटी की समस्या होने लगती है।

स्ट्रेस और एंजायटी : आपके खराब गट हेल्थ के पीछे स्ट्रेस और एंजायटी का भी बहुत बड़ा रोल है। दरअसल, तनाव की वजह से दिमाग और पेट के बीच का कनेक्शन प्रभावित होता है। जिससे पेट में एसिड का बनना बढ़ जाता है और इस वजह से गैस और एसिडिटी जैसी सिक्कतों का समाना करना पड़ सकता है।

हर उम्र के लिए फायदेमंद हैं योगासन

भागदौड़ भरी जिंदगी में खुद को सेहतमंद रखना किसी चुनौती से कम नहीं है। चाहे स्कूल जाने वाले बच्चे हों, ऑफिस जाने वाले युवा हों या फिर घर के बुजुर्ग, हर कोई किसी न किसी शारीरिक या मानसिक परेशानी से जूझ रहा है। ऐसे में योग एक ऐसी दवा है जो बिना किसी खर्च के आपको अंदर और बाहर दोनों तरफ से मजबूत बनाती है।

कुछ लोगों को लगता है कि योग सिर्फ लचीले शरीर वाले लोग ही कर सकते हैं, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। आज हम आपको 5 ऐसे आसान योगासनों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक, हर उम्र के लोग आसानी से कर सकते हैं और इसके अनगिनत फायदे उठा सकते हैं।

1. ताड़ासन : शरीर को सीधा और मजबूत बनाने के लिए

ताड़ासन बहुत ही सरल और प्रभावी आसन है। इसे करने के लिए आपको सीधे खड़े होकर अपने दोनों हाथों को ऊपर उठाना होता है और उंगलियों को आपस में फंसाकर शरीर को ऊपर की तरफ खींचना होता है।

बच्चों के लिए फायदा : यह आसन बच्चों की लंबाई बढ़ाने में बहुत मदद करता है।

युवाओं और बुजुर्गों के लिए फायदा : ऑफिस में घंटो कुर्सी पर बैठे रहने से जो रीढ़ की हड्डी में दर्द होता है, यह उसे ठीक करता है। इससे पूरे शरीर का पोस्चर सुधरता है।

2. सुखासन : मानसिक शांति और फोकस बढ़ाने के लिए

जैसा कि इसके नाम से ही पता चलता है, यह सुख देने वाला आसन है। इसमें आपको जमीन पर पालथी मारकर सीधे बैठना होता है और अपनी आंखें बंद करके लंबी सांसें लेनी होती हैं।

दिमाग के लिए फायदेमंद : यह आसन हर उम्र के लोगों के तनाव को कम करता है।

बुजुर्गों के लिए क्यों है खास : बढ़ती उम्र में जब भारी कसरत करना मुश्किल होता है, तब सुखासन घुटनों के जोड़ और मन को शांत रखने का सबसे बढ़िया जरिया बनता है। इससे याददाश्त और फोकस भी बेहतर होता है।

बीएसपी की रिटेंशन स्कीम के खिलाफ कांग्रेस की 'भिलाई बचाओ पद यात्रा' शुरू

बेदखली के नोटिस पर मचा बवाल

सेक्टर-9 मंदिर से रायपुर के लोक भवन तक पैदल मार्च

जिला अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर के नेतृत्व में जुटे हजारों लोग

भिलाई।भिलाई इस्पात संयंत्र (ब्रस्क) प्रबंधन की ओर से टाउनशिप एरिया में लागू की गई रिटेंशन स्कीम के विरोध में रविवार से जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ने मोर्चा खोल दिया है। सेक्टर क्षेत्र के निवासियों को मिल रहे मकान खाली करने के नोटिस और विस्थापन के खतरे को देखते हुए कांग्रेस ने रविवार को भव्य ÷भिलाई बचाओ पद यात्रा÷ का शंखनाद किया। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर के नेतृत्व में शुरू हुई यह यात्रा सेक्टर-9 स्थित मंदिर से पूजा-अर्चना के बाद रवाना हुई।यह पद यात्रा आज 2 अगस्त से शुरू होकर आगामी 5 अगस्त तक विभिन्न निर्धारित रूटों से गुजरते हुए राजधानी रायपुर के लोक भवन पहुंचेगी। यात्रा के पहले ही दिन बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, स्थानीय जनप्रतिनिधि और टाउनशिप के पीड़ित नागरिक सड़कों पर उतरे। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि बीएसपी प्रबंधन बिना किसी ठोस वैकल्पिक व्यवस्था के वर्षों से रह रहे परिवारों को बेदखल करने के नोटिस थमा रहा है। इससे हजारों परिवारों के सामने अचानक छत छिनने और विस्थापन का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।पद यात्रा के माध्यम से कांग्रेस इस मुद्दे पर जनसमर्थन जुटा रही है, ताकि सरकार और प्रबंधन पर दबाव बनाया जा सके। पार्टी ने साफ शब्दों में मांग की है कि सेक्टर क्षेत्र के निवासियों के हितों की हर हाल में रक्षा की जाए और जब तक कोई उचित व सर्वमान्य समाधान नहीं निकलता, तब तक किसी भी परिवार को बेदखल न किया जाए। अब देखना होगा कि कांग्रेस के इस चार दिवसीय पैदल मार्च और बढ़ते जन-आक्रोश पर भिलाई इस्पात संयंत्र (ब्रस्क) प्रबंधन और राज्य शासन की ओर से क्या रुख सामने आता है।

संसद में विपक्षी सांसदों के द्वारा सनातन धर्म और भगवा का अपमान घोर निंदनीय

भिलाईनगर। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश प्रमुख आईटी व पूर्व जिलाध्यक्ष अमित मिश्रा ने अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर संसद में विरोध प्रदर्शन के दौरान लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी, बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव और अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद द्वारा जो अभिनय कर प्रदर्शन किया गया था ! इस पर आपत्ति जताई है ! अमित मिश्रा ने बताया कि संसद में प्रदर्शन के दौरान यह लोग प्रतीकात्मक तौर पर सांसद पप्पू यादव भगवा वस्त्र धारण कर दान पात्र लेकर बैठे थे. कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दान पात्र में कुछ पैसे डाले थे और फिर पप्पू यादव भागते दिखे थे. इसके जरिए राम मंदिर चढ़ावा चोरी को दर्शाने का प्रयास विपक्षी नेताओं द्वारा किया गया था !भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश प्रमुख आईटी व पूर्व जिलाध्यक्ष अमित मिश्रा ने इसे सनातन धर्म, भगवा वस्त्र और करोड़ों साधु-संतों के त्याग का घोर अपमान बताया है। भगवा रंग करोड़ों भारतीयों की आस्था, त्याग, तपस्या और संस्कृति का प्रतीक है। राजनीतिक विरोध के लिए विपक्षी नेताओं को धार्मिक प्रतीकों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए !बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव द्वारा भगवा वेश धारण कर जो सनातन संस्कृति का अपमान करने प्रयास किया है ! इससे अधिक शर्मनाक बात देश के लिए कुछ नहीं हो सकती। जहां तक राम मंदिर चढ़ावा का मामला है चोरी करने वालों के लिए एसआईटी और सुप्रीम कोर्ट मिलकर सजा तय करेंगे। अमित मिश्रा ने कहा कि क्या लोकतांत्रिक सिस्टम में चुने हुए सांसदों को ऐसा बर्ताव करना ठीक है ! अभिनय करते हुए भगवान राम के छायाचित्र को नीचे रखकर पप्पू यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी हंस रहे थे। इस दौरान समाजवादी पार्टी के नेता, अयोध्या के तथाकथित सांसद और कई दूसरे नेता भगवा कपड़े पहने संतों का कॉलर पकड़ रहे थे ! इन विपक्ष के सांसदों द्वारा इस कृत्य पर धार्मिक भावनाएं आहत हुई है !इन तीनों सांसदों पर सिर्फ एफआईआर दर्ज होना काफी नहीं होगा इन तीनों विपक्षी सांसदों के इस कृत्य पर सख्त से सख्त कार्यवाही होनी चाहिए इनकी संसद की सदस्यता समाप्त होनी चाहिए !

जिससे भविष्य में भी इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके !

दुर्ग जिले में मानसून की रफ्तार तेज, अब तक रिकॉर्ड 488.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज

तहसील पाटन में सबसे ज्यादा 620.7 मिमी बरसे बदरा, धमधा में सबसे कम 318.4 मिमी बारिश

दुर्ग। दुर्ग जिले में इस वर्ष मानसून की स्थिति बेहतर बनी हुई है। चालू वर्षा सत्र के दौरान 1 जून से लेकर 2 अगस्त 2026 तक जिले में कुल 488.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। प्राप्त आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जिले की विभिन्न तहसीलों में बारिश का ग्राफ अलग-अलग रहा है, जिसमें पाटन क्षेत्र सबसे आगे चल रहा है।

सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक, इस सीजन में अब तक की सर्वाधिक 620.7 मिमी बारिश तहसील पाटन में रिकॉर्ड की गई है। वहीं, धमधा क्षेत्र में अब तक सबसे कम यानी न्यूनतम 318.4 मिमी वर्षा दर्ज हुई है। इसके अलावा जिले की अन्य तहसीलों की बात करें तो दुर्ग तहसील में 549.9 मिमी, बोरी में 559.1 मिमी, भिलाई-3 में 488.2 मिमी तथा अहिवारा तहसील में 395.6 मिमी पानी बरस चुका है।दूसरी ओर, बीते रविवार (2 अगस्त) को जिले के अधिकांश हिस्सों में मौसम साफ रहा और उमस बनी रही।

रविवार को दर्ज आंकड़ों के अनुसार, केवल बोरी तहसील में हल्की फुहारें पड़ीं जहाँ 3.0 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई, जबकि दुर्ग, धमधा, पाटन, भिलाई-3 और अहिवारा तहसीलों में रविवार को 0.0 मिमी वर्षा दर्ज हुई है। कृषि विभाग के अनुसार अब तक हुई यह बारिश खरीफ फसलों के लिए काफी लाभदायक साबित हो रही है।

जम्मू-कश्मीर में छत्तीसगढ़ के मजदूरों की हत्या पर आक्रोश, दुर्ग में बजरंग दल ने फूंका आतंकवाद का पुतला

अग्रसेन चौक पर कार्यकर्ताओं का जोरदार प्रदर्शन

केंद्र सरकार से आतंकियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग

दुर्ग। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में बीते 31 जुलाई को आतंकवादियों द्वारा छत्तीसगढ़ के दो निर्दोष मजदूरों की गोली मारकर हत्या किए जाने के विरोध में रविवार को दुर्ग शहर में भारी आक्रोश देखा गया। घटना के विरोध में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने शहर के व्यस्ततम अग्रसेन चौक पर एकत्रित होकर आतंकवाद के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने अग्रसेन चौक पर आतंकवाद का पुतला दहन कर इस कायराना हरकत की कड़ी निंदा की। इस दौरान प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे पदाधिकारियों ने कहा कि रोजी-रोटी कमाने गए निर्दोष मजदूरों की हत्या सीधे तौर पर मानवता पर हमला है।

ऐसे कायराना कृत्यों का अब मुंहतोड़ जवाब दिया जाना चाहिए। कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार से मांग की है कि सीमा पार से पनप रहे आतंकवाद और घाटी में छिपे आतंकियों के खिलाफ तत्काल सख्त से सख्त सैन्य कार्रवाई की जाए।प्रदर्शन के अंत में कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन रखकर कुलगाम में छत्तीसगढ़ के दोनों श्रमिक भाइयों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। बजरंग दल ने दो टूक शब्दों में कहा कि देश की सुरक्षा और नागरिकों की जान से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आतंकवाद के खात्मे के लिए अब पूरे देश को एकजुट होकर खड़े होने का समय आ गया है। इस दौरान बड़ी संख्या में बजरंग दल के कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

कुम्हारी में खूनी घरेलू विवादः गुस्से में आकर पति ने हंसिया से रेत दिया पत्नी का गला

दुर्ग । दुर्ग जिले के कुम्हारी थाना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक-4 महामाया पारा में आज सुबह एक दुखद घटना सामने आई है, जहाँ घरेलू विवाद के चलते एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी पर जानलेवा हमला कर उसकी हत्या कर दी। घटना की जानकारी मिलते ही कुम्हारी थाना पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुँची और साक्ष्य एकत्रित किए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति को हिरासत में ले लिया है।

पुलिस के अनुसार, महामाया पारा निवासी घनश्याम यादव और उसकी पत्नी दुर्गा यादव के बीच पिछले कुछ समय से विवाद चल रहा था। आज सुबह भी दोनों के बीच इसी बात पर बहस हुई, जिसके बाद आरोपी ने घर में रखे धारदार हथियार से पत्नी पर हमला कर दिया। महिला को गंभीर स्थिति में तुरंत शासकीय अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सुपेला अस्पताल भेज दिया है। पुलिस हिरासत में आरोपी ने विवाद और हमले की बात स्वीकार की है। कुम्हारी थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है।

रिसाली के चार वार्डों में 1.65 करोड़ से होगा विकास कार्य, विधायक ललित चंद्राकर,महापौर शशि सिन्हा ने किया भूमिपूजन

रिसाली। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर और महापौर शशि सिन्हा ने रिसाली के विकास कार्य के लिए शुक्रवार चार अलग-अलग वार्डों में भूमिपूजन किया। क्षेत्र में 1 करोड़ 65 लाख 94 हजार से सड़क, नाली, भवन और सौंदर्यीकरण का कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ने कहा कि क्षेत्र का विकास जनता के लिए होता है। विधायक ललित चंद्राकर ने भूमिपूजन कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें जनता ने चुनकर अपना प्रतिनिधि बनाया है। विकास कार्य कभी भी व्यक्तिगत नहीं होता। जनता की मांग पर ही योजनाएं तैयार कर उसे अमल पर लाया जाता है। निर्वाचित जनप्रतिनिधि जनता की मंशा अनुरूप कार्य करता है। यही कारण है कि वें लगातार निगम क्षेत्र के अलग-अलग वार्डों तक पहुंच रहे है और मांग अनुरूप भूमिपूजन कर रहे है। उन्होंने नागरिकों को आश्वस्त किया कि विकास कार्य में कभी पैसा बाधा नहीं बनेगा। इस अवसर पर महापौर शशि सिन्हा ने कहा कि क्षेत्र के विकास में सभी का सहयोग आवश्यक है। रिसाली निगम गठन के बाद क्षेत्र में विकास हुआ है और आगे भी कार्य होते रहेंगे। विकास कार्य एक सत्त प्रक्रिया है। भूमिपूजन कार्यक्रम को नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर पार्षद परमेश्वर देवदास, राहुल राय, ममता सिन्हा, ईश्वरी साहू, सरिता देवांगन, सारिका साहू, शीला नारखेड़े, डॉ सीमा साहू, सविता ढ़वस, गजेन्द्र कोठारी, रमा साहू, मनीष यादव, धर्मेन्द्र भगत समेत मण्डल अध्यक्ष राजू जंघेल व अनुपम साहू उपस्थित थे।

जाने किस वार्ड में कितनी राशि -वार्ड क्र. 32 नेवई भाठा में नाली, सीसी रोड व सौंदर्यीकरण के तीन कार्यों के लिए कुल 19.48 लाख शासन ने स्वीकृत की है। इसी तरह वार्ड क्र. 33 नेवई बस्ती पूर्व में 45 लाख 48 हजार की राशि से कुल दस कार्य, वार्ड क्र. 34 नेवई बस्ती पश्चिम में 29 लाख 45 हजार से चार कार्य और वार्ड क्र. 21 सूर्या नगर में 71 लाख 53 हजार की राशि से कुल सात विकास कार्य होंगे।

सड़क सुरक्षा, साइबर अपराध के प्रति जागरुकता लाने के लिए यातायात पुलिस लगातार अभियान चला रहा

तिल्दा-नेवरा। सिमगा में सड़क सुरक्षा और साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए यातायात पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी कड़ी में शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल नवागांव में विद्यार्थियों को यातायात नियमों और साइबर सुरक्षा की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई । सिमगा यातायात पुलिस ने शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल नवागांव में यातायात एवं साइबर जागरूकता अभियान चलाया। अभियान के दौरान विद्यार्थियों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने और निर्धारित गति सीमा का पालन करने की सलाह दी गई। साथ ही सड़क पार करते समय ट्रैफिक नियमों का पालन करने और जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया गया। इस दौरान सिमगा यातायात थाना के सहायक उप निरीक्षक जागेश्वर ध्रुव ने लोगों और विद्यार्थियों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। पुलिस अधिकारियों ने साइबर अपराधों से बचाव के उपाय भी बताए और किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को देने की सलाह दी। साथ ही अभिभावकों से कम उम्र के बच्चों को वाहन नहीं चलाने देने की अपील करते हुए कहा कि यातायात नियमों का पालन ही सुरक्षित जीवन की सबसे बड़ी गारंटी है।

महाविद्यालय में 'कारगिल विजय दिवस' पर कार्यक्रम का आयोजन

सरायपाली। स्वर्गीय राजा वीरेंद्र बहादुर सिंह शासकीय महाविद्यालय में 'कारगिल विजय दिवस' पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कारगिल विजय दिवस एक तारीख नहीं बल्कि हमारी एकता साहस और बलिदान की पहचान है। उन वीरों को सलाम जिनकी वजह से आज हम आजाद हवा में साँस ले रहे हैं। माँ शारदा के चरणों में पुष्प अर्पित कर एवं कारगिल विजय अभियान के वीर जवानों को नमन करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत हुई। प्राचार्य डॉ. संध्या भोई ने अपने उदबोधन में कहा कि पाकिस्तान की सेना और घुसपैठियों ने जम्मू के कारगिल सेक्टर में घुसपैठ कर भारत की सीमा में कब्जा कर लिया था इसके जवाब में भारतीय सेना ने ऑपरेशन विजय एवं ऑपरेशन सफेद सागर अभियान चलाया। लगभग 60 दिनों तक चले इस युद्ध में भारतीय सेना ने दुश्मनों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया । बर्फ से ढकी पहाड़ियों पर हमारे सिपाही सीना तान कर खड़े थे, 14000 फीट की ऊंचाई पर साँस लेना भी मुश्किल था, लेकिन जज्बा अडिग था और फिर आया वो ऐतिहासिक दिन 26 जुलाई 1999 भारत ने पूरी तरह दुश्मनों को पीछे धकेल दिया गया और देश का सर कभी झुकने नहीं दिया। विद्यार्थियों को अपना कर्म तत्परता एवं निष्ठा पूर्वक करने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यार्थियों ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर महाविद्यालय के अधिकारी-कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पीतांबर बाघ एवं आभार प्रदर्शन प्राची गुप्ता ने किया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com